शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 11 | अंक : 43 | गुवाहाटी | सोमवार, 9 सितंबर, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

निरक्षरता माथे पर कलंक, पांच वर्ष में करेंगे सभी वंचितों को ... पेज 2

मंत्री रंजीत दास ने लिया भाजपा के सदस्यता अभियान में भाग पेज 3

जनता की समस्याओं का कराएं त्वरित और निष्पक्ष निस्तारण : योगी आदित्यनाथ पेज 5

राज्य स्तरीय पुरुष बैडमिंटन कांठ प्रीमियर लीग का शुभारंभ पेज 7

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात
तुम मुझे अपने मित्र दिखाओ मैं तुम्हें तुम्हारा भविष्य दिकाऊंगा।
- आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

असम में सेबा और इंटर काउंसिल का विलय

गुवाहाटी (हिंस)। असम सरकार ने असम माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सेबा) और असम उच्चतर माध्यमिक शिक्षा परिषद (एएचएसईसी) के विलय कर दिया है। राज्य सरकार के शिक्षा विभाग द्वारा आज इस आशय की औपचारिक अधिसूचना आज जारी कर दी गई। उल्लेखनीय है कि इस विलय की घोषणा दो माह पहले मुख्यमंत्री ने असम कैबिनेट की बैठक में इस संबंध में पारित प्रस्ताव के बाद की थी। सरकार ने एकीकृत असम राज्य विद्यालय

एक दिवसीय दौरे पर कोलकाता पहुंचे संघ प्रमुख भागवत

कोलकाता (हिंस)। पश्चिम बंगाल के एक दिवसीय दौरे पर कोलकाता पहुंचे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत रविवार को बौद्धिक प्रशिक्षण वर्ग में कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन करेंगे। सूत्रों ने बताया कि कोलकाता में कार्यकर्ताओं के लिए बौद्धिक प्रशिक्षण वर्ग आयोजित किया गया है, जिसमें डॉ. भागवत मौजूद -शेष पृष्ठ दो पर

भारत में आया मंकीपॉक्स पहला संदिग्ध मामला

नई दिल्ली (हिंस)। भारत में घातक एवं संक्रामक रोग मंकीपॉक्स का पहला संभावित मामला सामने आया है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने इस संबंध में आज जानकारी दी है। मंत्रालय का कहना है कि जांच जारी है और चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। मंत्रालय का कहना है कि हाल ही में विदेश यात्रा से लौटे युवा पुरुष रोगी की पहचान एमपॉक्स (मंकीपॉक्स) के संदिग्ध मरीज के तौर पर हुई है। रोगी को एक निर्दिष्ट अस्पताल में अलग रखा गया है और वर्तमान में -शेष पृष्ठ दो पर

अब कोई माई का लाल अनुच्छेद 370 वापस नहीं ला सकता : राजनाथ सिंह

रामबन (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी(भाजपा) ने डंके की चोट पर अनुच्छेद 370 हटाकर जम्मू-कश्मीर को शांति और समृद्धि के मार्ग पर अग्रसर किया है और अब कोई माई का लाल इसे वापस नहीं ला सकता। अनुच्छेद 370 और 35ए हटाकर लोगों को विकास के पथ पर आगे बढ़ाने का रास्त बनाया गया है। यह बातें रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को जम्मू संभाग के रामबन में चुनावी रैलियों को संबोधित करते हुए कहीं। उन्होंने जम्मू-कश्मीर के लोगों से अपील की कि एक बार यहां भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनाएं हम जम्मू-कश्मीर को देश का सबसे विकसित राज्य बनाएंगे। पाकिस्तान अधिकृत जम्मू कश्मीर के लोगों की बात करते हुए राजनाथ सिंह ने कहा कि वे हमारे नागरिक हैं, पाकिस्तान उन्हें विदेशी मानता है लेकिन भारत उन्हें अपने नागरिक के रूप में स्वीकार करता है। वहीं विधानसभा चुनाव को लेकर राजनाथ सिंह ने कहा कि यह सिर्फ किसी केंद्र शासित प्रदेश का चुनाव नहीं है बल्कि इस चुनाव पर हर भारतीय की नजर है, चाहे वह देश के किसी भी कोने में हो या दुनिया के किसी भी कोने में। उन्होंने कहा कि हाल ही में अपने अमेरिकी दौरे के दौरान वहां के प्रतिनिधियों ने मुझसे जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनावों के बारे में जानना चाहा और मैंने स्पष्ट रूप से कहा कि भाजपा पूरी बहुमत के साथ अपनी सरकार बनाएगी। उन्होंने कहा कि पूरे भारत की नजरें इन चुनावों पर टिकी हुई हैं। उन्होंने कहा कि अनुच्छेद 370 के तहत यहां 6 प्रतिशत से 12 प्रतिशत तक मतदान हुआ करता था,

लेकिन इसके हटने के बाद संसदीय चुनावों में 58 प्रतिशत मतदान हुआ, जबकि लद्दाख में यह प्रतिशत 72 प्रतिशत तक पहुंच गया। जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के लोगों ने पहली बार भय से मुक्त चुनाव देखे, पहली बार निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव देखें। उन्होंने इसे परिवर्तन की ओर एक बड़ा संकेत बताया। राजनाथ सिंह ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के लोग प्रतिभाशाली हैं और उनमें कुछ बड़ा करने की क्षमता है। उन्होंने कहा कि अगर जम्मू-कश्मीर में 10 साल तक भारतीय जनता पार्टी की सरकार बने तो यह राज्य देश का सबसे विकसित राज्य बनेगा। उन्होंने कहा कि जब 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सत्ता संभाली तो हमारी अर्थव्यवस्था 11वें स्थान पर थी लेकिन आज हम 5वें स्थान पर हैं और जल्द ही तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा को मौका दीजिए हम बड़े बदलाव करके दिखाएंगे जैसा कि हमने पिछले 10 सालों में किया है। उन्होंने कहा कि अनुच्छेद 370 हटने के बाद जम्मू-कश्मीर की तस्वीर और तकदीर बदल गई है। यहां पहले आतंकवाद का माहौल था, ताि?या का जुलूस भी नहीं निकलता था। अब माहौल बदल चुका है। मजबूत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में समाज के हर वर्ग को न्याय मिला है। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद यहां बेटियां सुरक्षित नहीं थीं, समाज के कमजोर लोग वोट नहीं डाल सकते थे। केंद्र में लंबे समय तक कांग्रेस की सरकार रही लेकिन पश्चिमी पाकिस्तान के शरणार्थियों और वाल्मीकि समाज को वोट डालने का अधिकार नहीं दिया गया। उन्होंने आगे कहा कि मोदी के शासन में उन्हें अधिकार दिए गए, साथ ही पहाड़ी समुदाय को एसटी का दर्जा और गुजर बकरवाल और पहाड़ियों को राजनीतिक आरक्षण दिया गया। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि लोग कहते थे कि अनुच्छेद 370 हटेगा तो जम्मू-कश्मीर में आग लग जाएगी। भाजपा ने डंके की चोट पर अनुच्छेद 370 को हटाया और किसी की हिम्मत नहीं हुई कि इसका विरोध कर सके। उन्होंने कहा कि नेशनल कॉन्फ्रेंस ने अपने चुनावी घोषणा पत्र में कहा है कि वे आएंगे और अनुच्छेद 370 को बहाल करेंगे लेकिन किसी में यह हिम्मत नहीं है कि वह इसे वापस ला सके। उन्होंने कहा कि जब तक भाजपा है कोई माई का लाल अनुच्छेद 370 को वापस नहीं ला सकता। अनुच्छेद 370 हटने के बाद भारत के इतिहास में पहली बार जी20 की बैठक जम्मू-कश्मीर में हुई। आजाद भारत के इतिहास में पहली बार जी20 की किसी बैठक का जम्मू-कश्मीर में होना, एक ऐतिहासिक घटना है। राजनाथ सिंह ने कहा कि जम्मू-कश्मीर को आतंकवाद का गढ़ नहीं बल्कि पर्यटन स्थल के रूप में जाना जाता है। यहां पर्यटकों का सैलाब उमड़ा हुआ है। रेलवे, सड़कों और बुनियादी ढांचे पर तेजी से काम हो रहा है। उन्होंने वादा किया कि अगर भाजपा की सरकार आएगी तो सीमा क्षेत्रों को प्राथमिकता के आधार पर विकसित किया जाएगा। अब सीमा का आखिरी गांव देश का पहला गांव कहलाएगा और हम उनकी भी तरक्की करेंगे। विकास की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए राजनाथ सिंह ने कहा कि पहले जम्मू से कश्मीर जाने में 14 घंटे लगते थे, अब जम्मू से कश्मीर जाने में 4 से 4-5 -शेष पृष्ठ दो पर

कुकी उग्रवादियों से समझौता रद्द कर आर-पार की कार्रवाई करे केंद्र सरकार : बीरेन सिंह

इंफाल (हिंस)। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य से मुलाकात कर राज्य की कानून व्यवस्था की स्थिति से अवगत कराया। राज्यपाल ने मणिपुर में कूकी उग्रवादियों के अत्याधुनिक हथियारों, रॉकेट मिसाइलों तथा ड्रोन जैसे शस्त्रों तथा यंत्रों का प्रयोग कर सामान्य नागरिकों तथा सुरक्षा बलों पर किए जा रहे हमलों का हवाला देते हुए इनके खिलाफ आर-पार की कार्रवाई शुरू करने की मांग की। मुख्यमंत्री ने राज्यपाल से यह भी कहा कि केंद्र सरकार चाहे तो भारतीय संविधान की धारा 355 का प्रयोग करके केंद्र सुरक्षा व्यवस्था को -शेष पृष्ठ दो पर

सुल्तानपुर एनकाउंटर पर अखिलेश के सवाल पर मंत्री नंदी का पलटवार

प्रयागराज (हिंस)। सुल्तानपुर की डकैती में शामिल अपराधियों के एनकाउंटर पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव द्वारा किए गए सवाल पर उत्तर प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नंदी ने जबर्दस्त पलटवार किया है। उन्होंने सवाल सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए अखिलेश यादव से पूछा है कि आखिर हर माफिया और हर अपराधी के अन्त पर आपको ही क्यों तकलीफ होती है? समाजवादी पार्टी माफिया पैदा करने की फैक्ट्री है और अपराध से सपा का साथ चोली-दामन का है। सोशल मीडिया पर किए -शेष पृष्ठ दो पर

इंटरपोल ने जारी किया आईएसआईएस से जुड़े तीन संदिग्ध नेपाली नागरिकों का स्केच

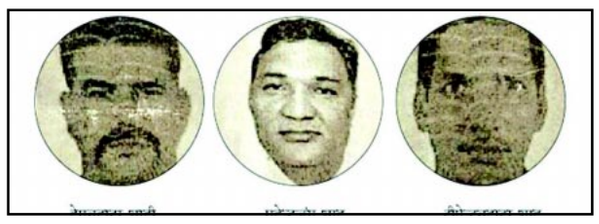

काठमांडू (हिंस)। अंतरराष्ट्रीय आपराधिक पुलिस संगठन इंटरपोल ने आईएसआईएस से जुड़े तीन संदिग्ध नेपाली नागरिकों का स्केच जारी करते हुए इनकी गतिविधियों की जांच करने के लिए नेपाल पुलिस को पत्र लिखा है। इंटरपोल के स्केच और दिए गए अन्य विवरण में नेपाल पुलिस के एक अधिकारी का भी नाम होने से मामला और गंभीर हो गया है। सिंगापुर स्थित इंटरपोल के नेशनल सेंटर ब्यूरो ने पत्र में नेपाल पुलिस की इंटरपोल शाखा को तीन नेपाली नागरिकों के आईएसआईएस -शेष पृष्ठ दो पर

पहलवान बजरंग पूनिया को जान से मारने की धमकी

सोनीपत (हिंस)। दो दिन पहले कांग्रेस में शामिल हुए पहलवान बजरंग पुनिया को जान से मारने की धमकी दी गई है। कांग्रेस ने उन्हें ऑल इंडिया किसान कांग्रेस के वर्किंग चेयरमैन नियुक्त किया है। बजरंग पूनिया के मोबाइल नंबर पर धमकी भरा मैसेज आया। व्हाट्सएप पर भेजे गए संदेश में लिखा था कि बजरंग, कांग्रेस छोड़ दो। वरना तेरे और तेरे परिवार के लिए ये अच्छा नहीं होगा। ये हमारा आखिरी संदेश है। चुनाव से पहले हम दिखा देंगे कि हम क्या चीज हैं। जहां शिकायत करनी है कर लो, ये हमारी पहली और आखिरी -शेष पृष्ठ दो पर

गंगोत्री हाईवे पर भूस्खलन से जाम तीर्थयात्रियों को भारी परेशानी

उत्तरकाशी (हिंस)। गंगोत्री हाईवे पर बंदरकोट और रतूड़ी शेरा में मानसून के दौरान भूस्खलन का उपचार कार्य शुरू करने से पहाड़ दरकने लगा है, जिससे मार्ग पर लंबा जाम लग रहा है। तीर्थ यात्रियों को भी भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा रहा है। गौरतलब है कि जनपद में मानसून का कहर जारी है। गंगोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग बंदरकोट में तीन दिन पहले पहाड़ी दरकने का वीडियो सामने आया था, जबकि रविवार को भी पहाड़ से लगातार पत्थर और मलबा गिररतर रहा, जिससे गंगोत्री हाईवे घंटों तक बंद रहा। इससे दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। स्थानीय लोगों ने बीआरओ (सीमा सड़क संगठन) की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा है कि पीक मानसून के -शेष पृष्ठ दो पर

लखनऊ में इमारत गिरने पर प्रधानमंत्री ने जताया दुख, मुआवजे की घोषणा

नई दिल्ली (हिंस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लखनऊ के ट्रांसपोर्ट नगर में एक तीन मंजिला इमारत के गिरने पर हुई मौतों पर दुख जताया है। घायलों के शीघ्र स्वथ्य होने की कामना करते हुए प्रधानमंत्री ने हताहतों के परिजनों के लिए मुआवजे की घोषणा की है। प्रधानमंत्री मोदी ने आज अपने आधिकारिक एक्स पोस्ट में कहा कि उत्तर प्रदेश के लखनऊ में एक इमारत दुर्घटना में लोगों की मौत दुखद है। हम उन लोगों के साथ प्रार्थना करते हैं, जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया -शेष पृष्ठ दो पर

अबू धाबी के क्राउन प्रिंस पहुंचे भारत, कल प्रधानमंत्री से मिलेंगे

नई दिल्ली (हिंस)। अबू धाबी के क्राउन प्रिंस शेख खालिद बिन मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान दो दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर रविवार को नई दिल्ली पहुंचे। यहां केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने उनका स्वागत किया। अबू धाबी के क्राउन प्रिंस के रूप में यह उनकी पहली भारत यात्रा है। क्राउन प्रिंस के साथ यूएई सरकार के कई मंत्री और एक व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल भी भारत आया है। कल अबू धाबी के क्राउन प्रिंस प्रधानमंत्री -शेष पृष्ठ दो पर

हिंदी भाषा में हो चिकित्सा-अनुसंधान और न्यायिक कार्य

लखनऊ (हिंस)। हिंदी भाषा के विकास के लिए भिन्न प्रयासों को मूर्तरूप देने के संबंध में विचार विमर्श हेतु एक कार्यशाला अ-मोक्ष साधना केंद्र, राजनिकेतन, वृन्दावन योजना, लखनऊ में रविवार को आयोजित हुई। वक्ताओं ने कहा कि हिंदी तभी ग्राह्य हो सकेगी जब हिंदी में विज्ञान, चिकित्सा-अनुसंधान और न्यायिक कार्य संपन्न होने आरम्भ होंगे। उपस्थित वक्ताओं ने हिंदी को केंद्र में रखकर अ-मोक्ष साधना केंद्र के प्रयासों की सराहना की। कार्यशाला में इस तथ्य -शेष पृष्ठ दो पर

ममता सरकार के रवैये के खिलाफ टीएमसी नेता जवाहर सरकार का राज्यसभा से इस्तीफा, राजनीति से संन्यास

कोलकाता (हिंस)। आरजी कर अस्पताल में महिला चिकित्सक की दुष्कर्म के बाद हत्या और अस्पताल में भ्रष्टाचार के विरोध में तृणमूल कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य जवाहर सरकार ने राज्यसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। इसी के साथ उन्होंने राजनीति से संन्यास लेने का भी ऐलान किया है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को एक लंबा पत्र लिखकर उन्होंने इस मामले में राज्य सरकार के रवैये की तीखी निंदा की है। आरजी कर अस्पताल से जुड़ी घटनाओं के खिलाफ आवाज उठाने वाले जोहर सरकार पहले नेता नहीं हैं। इससे पहले तृणमूल के राज्यसभा सदस्य सुखेंदु शेखर राय ने भी इस मामले पर पार्टी के रवैये पर सवाल उठाए थे लेकिन पहली बार सत्तारूढ़ पार्टी के सांसद ने इस्तीफा देने का

फैसला किया है। ममता बनर्जी को लिखे अपने पत्र में जवाहर सरकार ने कहा कि मैंने पिछले एक महीने से आरजी कर अस्पताल की घृणित घटना के खिलाफ सभी की प्रतिक्रिया देखी है और सोचा है कि आप पुराने ममता बनर्जी की तरह -शेष पृष्ठ दो पर

बांग्लादेश : राष्ट्रगान बदलने की मांग पर अंतरिम सरकार ने कहा, कोई विवादित कदम नहीं उठाएंगे

ढाका (हिंस)। मोहम्मद युनुस के नेतृत्व वाली बांग्लादेश की अंतरिम सरकार की तरफ से साफ किया गया है कि देश के राष्ट्रगान में बदलाव की कोई योजना नहीं है।सरकार ने उन अटकलों को सिरे से खारिज कर दिया, जिनमें कहा जा रहा था कि बांग्लादेश का राष्ट्रगान बदला जा सकता है। सुप्रसिद्ध रचनाकार रवीन्द्रनाथ टैगोर की रचना *आमार सोनार बांग्ला* को बांग्लादेश ने अपना राष्ट्रगान बनाया है, जिसे बदलने की मांग देश के कट्टरपंथी संगठन कर रहे हैं। पद्मा नदी के उत्तरी तट पर राजशाही में शनिवार को इस्लामिक फाउंडेशन का दौरा करने के बाद धार्मिक मामलों के सलाहकार अबुल फैज मुहम्मद खालिद हुसैन ने दावा किया कि अंतरिम सरकार विवाद पैदा करने वाला कोई कदम नहीं उठाएगी। सरकार सभी के सहयोग -शेष पृष्ठ दो पर

मीडिया कल्याण के लिए बीटीसी की प्रतिबद्धता को ईएम डॉ. स्वर्गियारी ने दोहराया

कोकराझाड़। मीडिया को लोकतंत्र का चौथा स्तंभ माना जाता है, और हमारी बीटीसी सरकार, सीईएम प्रमोद बोरो के दूरदर्शी मार्गदर्शन में, बोडोलैंड प्रादेशिक क्षेत्र (बीटीआर) में काम करने वाले मीडियाकर्मियों के कल्याण का समर्थन करने के लिए दृढ़ संकल्पित है। इस कथन के साथ, डॉ. नीलुत स्वर्गरी, बीटीसी ईएम सूचना और जनसंपर्क, पीएचई आदि ने आज चिरांग जिले के बेंगटोल कॉलेज ऑडिटोरियम में बोडोलैंड डिजिटल जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन के तीसरे वार्षिक सम्मेलन के खुले सत्र का उद्घाटन किया। अपने संबोधन में, डॉ. स्वर्गियारी ने लोकतांत्रिक मूल्यों को बनाए रखने में मीडिया के महत्व पर जोर दिया और पत्रकारों को समर्थन देने के लिए बीटीसी की निरंतर प्रतिबद्धता के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि मुझे पूरा विश्वास है कि आने वाले दिनों में एसोसिएशन को बड़ी

नई शिक्षा नीति को नहीं अपनाने वाले राज्य करें पुनर्विचार : उपराष्ट्रपति

नई दिल्ली (हिंस)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने आज सभी लोगों से कम से कम एक व्यक्ति को साक्षर बनाने का संकल्प लेने का आह्वान किया। उन्होंने उन राज्यों से अपील की जिन्होंने अभी तक नई शिक्षा नीति (एनईपी) को नहीं अपनाया है। उन्होंने कहा कि वे अपने रुख पर पुनर्विचार करें। आज नई दिल्ली के विज्ञान भवन में अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति धनखड़ ने इस बात पर जोर दिया कि नई शिक्षा नीति देश के लिए एक बड़ा बदलाव लाने वाली है। उन्होंने कहा कि यह राष्ट्रीय शिक्षा नीति हमारे युवाओं को उनकी प्रतिभा और ऊर्जा का पूरा दोहन -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc.
ARTCLE WORLD, S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01,
Ph. : 94350-48866, 94018-06952

निरक्षरता माथे पर कलंक, पांच वर्ष में करेंगे सभी वंचितों को साक्षर : शिक्षा मंत्री

कोटा (हिंस)। अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस का राज्य स्तरीय समारोह रविवार को कोटा के शिव ज्योति कॉन्वेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल श्रीनाथपुरम में आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि स्कूल शिक्षा एवं पंचायती राजमंत्री मदन दिलावर ने कहा कि निरक्षरता देश, प्रदेश के माथे पर कलंक है, इस कलंक को जल्द से जल्द मिटाना है। उन्होंने कहा कि लगभग 80 लाख लोग अभी शिक्षा से वंचित हैं जिन्हें 5 वर्ष से पूर्व ही साक्षर करने का प्रयास है। शिक्षा मंत्री ने हाडोती बोली में संबोधित करते हुए आह्वान किया कि शिक्षित लोग अपने आसपास के निरक्षर लोगों को शिक्षित बनाएं ताकि वे अपने जीवन में तरक्की कर सकें। उन्होंने कहा कि यह सबसे बड़ा पुण्य होगा। उन्होंने समारोह में विचार व्यक्त करने वाले नव साक्षरों और शिक्षकों का मनोबल बढ़ाया। शिक्षा मंत्री ने शिक्षा के उन्नयन और संवर्धन के लिए किए जा रहे कार्यों का उल्लेख करते हुए बताया कि 5 सालों में शिक्षकों का एक भी पद खाली नहीं रहेगा। समारोह में नवसाक्षरों और स्वयंसेवी शिक्षकों को सम्मानित किया गया।कोटा,बारां, झालावाड़ के नवसाक्षर सुनीता देवी, मेधा बाई, हरि सिंह, मधु बाई ने मंच पर

अपने विचार व्यक्त किए और बताया कि शिक्षा से उनके जीवन में किस तरह परिवर्तन आया है।अतिथियों ने उनका मनोबल बढ़ाया। अध्यक्षता कर रहे ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने कहा कि शिक्षा सभी के लिए जरूरी है। विकसित भारत का संकल्प हम शिक्षा के बल पर ही पूरा कर पाएंगे। उन्होंने कहा कि साक्षरता में भी बालिका शिक्षा पर विशेष ध्यान देना होगा। अवसर मिलने पर बेटियां हर क्षेत्र में आगे बढ़कर नाम कमा रही हैं। उन्होंने शिक्षा मंत्री द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में उठाए गए महत्वपूर्ण कदमों का उल्लेख करते हुए कहा, ये प्रयास प्रदेश के विकास में मील का पत्थर बनेंगे। विशिष्ट अतिथि कोटा दक्षिण विधायक संदीप शर्मा ने कहा कि जब तक एक-एक व्यक्ति साक्षर नहीं होगा हम 2047 तक विकसित भारत का सपना साकार नहीं कर पाएंगे। हमें निरक्षरों को साक्षर कर उन्हें समर्थ, क्षमतावान बनाना होगा। लाडपुरा विधायक कल्पना देवी ने विभिन्न उदाहरण के जरिए शिक्षा का महत्व समझाया और कहा कि शिक्षा से जीवन और देश बदल सकता है। उन्होंने बच्चों को शिक्षित करने का आह्वान किया, साथ ही अभिभावकों से अपील की कि अपने अधूरे सपनों को बच्चों पर ना थोपें। उन्हें वही मार्ग चुनने दें जो उनकी रुचि का हो। शिक्षकों का आह्वान किया कि वह पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ विकसित भारत बनाने में अपना योगदान दें। आरंभ में साक्षरता एवं सतत शिक्षा निदेशक मेघराज रतनू ने बताया की 2011 तक 47 लाख को साक्षर बनाया गया। इसके बाद के वर्षों में अब तक 91 लाख को साक्षर बनाया गया। वर्तमान में 80 लाख लोग निरक्षर हैं। इस वर्ष 20 लाख को साक्षर बनाने का लक्ष्य है। इस अवसर पर साक्षरता संबंधी ब्रोशर का विमोचन किया गया। अतिरिक्त निदेशक साक्षरता स्नेहलता हरित, संयुक्त निदेशक शिक्षा तेज कंवर, सीडीईओ के.के. शर्मा, सहित संभाग के विभागीय अधिकारी, शिव ज्योति कॉन्वेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल के निदेशक महेश गुप्ता, शिवम गुप्ता सहित गणमान्य जन उपस्थित रहे। समारोह में कलाजत्था एवं नाटिका द्वारा शिक्षा का संदेश दिया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए गए। मंच संचालन ज्योति जोशी ने किया।

सीबीएसई क्लस्टर-एक बास्केटबॉल चैंपियनशिप संपन्न

गुवाहाटी (हिंस)। राजधानी के नारंगी स्थित आर्मी पब्लिक स्कूल (एपीएस) में तीन दिवसीय सीबीएसई क्लस्टर-एक बास्केटबॉल चैंपियनशिप (लड़का) 2024 का आज संपन्न हो गया। इस चैंपियनशिप में विभिन्न स्कूलों के प्रतिभाशाली युवा बास्केटबॉलखिलाड़ियों ने भाग लिया। चैंपियनशिप के अंतिम दिन एपीएस नारंगी की प्राचार्य डॉ. बंदना बरुवा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। अपने संबोधन में उन्होंने सभी प्रतिभागियों की खेल भावना और प्रतिस्पर्धी उत्साह की सराहना की। सभी श्रेणियों में विजेताओं और उपविजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए गए। समारोह का एक विशेष खंड कोचों और अधिकारियों के अमूल्य योगदान को मान्यता देने के लिए समर्पित था, जिसमें स्मृति चिह्न प्रदान किए गए। अंडर-19 लड़कों के फाइनल मैच में एपीएस नारंगी ने रॉयल ग्लोबल स्कूल को हराकर जीत हासिल की और अपने कौशल का प्रदर्शन किया। अंडर-17 लड़कों के फाइनल में भी एपीएस नारंगी ने माइल्स ब्रोंसन रेजिडेंशियल स्कूल, बोरझार को हराकर अपनी जीत की धारा को बनाए रखा। अंडर-14 लड़कों के फाइनल में सैनिक स्कूल ग्वालपाड़ा ने रॉयल ग्लोबल स्कूल, गुवाहाटी को हराकर चैंपियनशिप का खिताब जीता। तीन दिवसीय चैंपियनशिप एक अविस्मरणीय अनुभव साबित हुई, जिसमें रोमांचक मैच, तीव्र प्रतिस्पर्धा और खिलाड़ियों, कोचों और अधिकारियों का अटूट उत्साह शामिल था।

एनएसए अजीत डोभाल इस सप्ताह रूस जाएंगे

नई दिल्ली (हिंस)। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल इस सप्ताह रूस की यात्रा करेंगे। भारत रूस और यूक्रेन के बीच जारी संघर्ष में मध्यस्थ की भूमिका निभा सकता है। इसी संदर्भ में डोभाल रूस जाएंगे। सूत्रों ने विदेश से जुड़े नए घटनाक्रम की पुष्टि की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में यूक्रेन की यात्रा की थी। उन्होंने संघर्ष समाप्ति में भारत की भूमिका को लेकर सकारात्मक पहल का वादा किया था। इससे पहले वे तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने पर रूस गए थे।

जम्मू-कश्मीर के लिए भाजपा ने जारी की 10 प्रत्याशियों की सूची

नई दिल्ली (हिंस)। भाजपा ने रविवार को जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के लिए छठी सूची में जारी की। इसमें 10 उम्मीदवारों के नाम शामिल हैं। इसमें उधमपुर पूर्व से आरएस पठानिया और बांदीपुरा से नसीर अहमद लोन को मैदान में उतारा गया है। करनाह से मो. इदरीस करनाही चुनाव लड़ेंगे। इसके अलावा भाजपा की छठी सूची में फकीर मोहम्मद खान गुरेज (एसटी) से, अब्दुल रशीद खान सोनावारी से और गुलाम मोहम्मद मीर हंदवाड़ा से चुनाव लड़ेंगे।

जेडीए और एएसआई मिलकर करें सोजती गेट का जीर्णोद्धार : शेखावत

जोधपुर (हिंस)। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने शहर के हृदय स्थल सोजती गेट की स्थिति पर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि केवल रास्ता बंद करके इतिश्री करने से कुछ नहीं होगा। पुरातत्व धरोहर को सहेजते हुए इसकी मरम्मत और जीर्णोद्धार किया जाए। उन्होंने जोधपुर विकास प्राधिकरण को आर्कियोलॉजी सर्वे ऑफ इंडिया (एएसआई) की देख-रेख में समय पर कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। रविवार को दिल्ली रवाना होने से पहले सुबह केंद्रीय मंत्री शेखावत ने सर्किट हाउस में पुलिस-प्रशासन के अधिकारियों की बैठक ली। शेखावत ने बारिश के चलते शहर में सड़कों की बिगड़ी हालत और जलभराव के कारण आमजन को हो रही भारी परेशानी दूर करने के निर्देश दिए हैं। केंद्रीय मंत्री कहा कि बारिश के बाद जोधपुर में अनेक क्षेत्रों और कॉलोनियों में जलभराव की स्थिति है। लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। विशेष रूप से बनार रोड पर जलभराव और नाले के पानी के कारण होने वाली परेशानी को दूर करने के निर्देश दिए। शेखावत ने कहा कि पाल रोड डर्बी टेक्सटाइल क्षेत्र और खरबूजा बावड़ी का क्षेत्र के कुछ इलाकों में जलभराव की स्थिति के कारण हो रही परेशानी को दूर किया जाए। उन्होंने कहा कि शहर की सड़कों की स्थिति सुधारने की तुरंत आवश्यकता है, क्योंकि टूटी सड़कों के कारण आए दिन दुर्घटनाएं होती हैं। विशेष रूप से दोपहिया वाहन चालकों के लिए बड़ी परेशानी है। केंद्रीय मंत्री ने जोधपुर शहर की कानून व्यवस्था को लेकर भी चर्चा की। शेखावत ने कहा कि जनता जनार्दन को परेशानी नहीं होनी चाहिए। जिला कलेक्टर, पुलिस, जेडीए सहित अन्य विभागों के प्रमुख उपस्थित रहे। शेखावत ने सर्किट हाउस में आमजन से मुलाकात और जनसुनवाई की।

भारत विकास परिषद का नि:शुल्क मोतियाबिंद जांच शिविर संपन्न

गुवाहाटी (हिंस)। भारत विकास परिषद की पश्चिम गुवाहाटी शाखा पिछले कई वर्षों से आर्थिक रूप से कमजोर और गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले आम लोगों के लिए सेवा कार्य कर रही है। इसी क्रम में आज भारत विकास परिषद की पश्चिम गुवाहाटी शाखा की पहल और श्री शंकर देव नेत्रालय, गुवाहाटी के सहयोग से गुवाहाटी के पांडु कॉलेज गेट इलाके में नि:शुल्क मोतियाबिंद जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में 40 वर्ष और उससे अधिक उम्र के आम लोग जो आर्थिक रूप से कमजोर लोगों की मोतियाबिंद की जांच की गयी है। शिविर में करीब 150 मरीजों के आंखों की जांच की गयी। इसमें से 100 से अधिक लोगों में मोतियाबिंद का पता चला। इन मरीजों का ऑपरेशन श्री शंकरदेव नेत्रालय में नि:शुल्क किया जाएगा। मरीजों को श्री शंकरदेव नेत्रालय, गुवाहाटी अस्पताल में ले जाने की व्यवस्था भारत विकास परिषद पश्चिम गुवाहाटी शाखा द्वारा की जाएगी। इस संदर्भ में जागरूक नागरिकों ने भारत विकास परिषद की पश्चिम गुवाहाटी शाखा के सदस्यों ने श्री शंकरदेव नेत्रालय गुवाहाटी के डॉक्टरों और सहायकों को आम आदमी के साथ खड़े रहने और मुफ्त सेवा कार्य करने के लिए उनकी सराहना की।

पृष्ठ एक का शेष

अब कोई माई का लाल ...

घंटे लगते हैं। हमें ऐसी सरकार चाहिए जो काम करिए ताकि बड़ा बदलाव लाया जा सके। उन्होंने कहा कि जम्मू में 38 हजार करोड़ रुपए का निवेश हुआ है और आज कश्मीर में बच्चों के हाथों में पिस्तौल नहीं, लैपटॉप है। रक्षा मंत्री ने खुलासा किया कि उन्होंने कश्मीर में शांति और व्यवस्था बहाल करने के लिए हर संभव प्रयास किया और एक समय ऐसा भी था जब हमारे सांसद हुर्रियत के दरवाजे पर गए लेकिन उन्होंने दरवाजा नहीं खोला। उन्होंने कहा कि हमने निर्दोष बच्चों पर से मामले वापस लिए और कश्मीर में हालात सुधारने के लिए दिल खोलकर कदम उठाए लेकिन इन लोगों ने सहयोग नहीं किया। उन्होंने कहा कि कश्मीरी नेता हमेशा आतंकवादियों के प्रति सहानुभूति रखते थे और आज उमर अब्दुल्ला कहते हैं कि अफजल गुरु को फांसी नहीं होनी चाहिए थी। क्या उसे फूल मालाएं पहनाई जानी चाहिए थी। रक्षा मंत्री ने पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर के लोगों से बात करते हुए कहा कि पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर के लोग हमारे हैं और उन्हें हमारे साथ आना चाहिए। पीओजेके के लोग सुनें, पाकिस्तान आपको विदेशी मानता है लेकिन हम आपको अपना मानते हैं। हमारे साथ आइए। उन्होंने जम्मू-कश्मीर के लोगों से अपील की कि वे यहां भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनाएं और तब पीओके के लोग भी कहेंगे कि वे भारत के साथ जाना चाहते हैं। अपने भाषण का समापन करते हुए उन्होंने कहा कि हमने चुनावी घोषणा पत्र में जो भी कहा है वह सब पूरा करेंगे। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री डॉ जितेंद्र सिंह के साथ कई वरिष्ठ भाजपा नेता भी मौजूद रहे।

कुकी उग्रवादियों से समझौता ...

पूरी तरह अपने हाथ में लेकर नियंत्रित करे। रविवार को मुख्यमंत्री बीरेन सिंह ने राजभवन में पहुंच कर राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य से मुलाकात की। राज्यपाल के साथ सुबह 11 बजे शुरू हुई बैठक 45 मिनट तक चली। इस मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री ने राज्यपाल को एक ज्ञापन देकर राज्य की मौजूदा कानून-व्यवस्था की स्थिति से राज्यपाल को अवगत कराया और कई कई महत्वपूर्ण मांगें रखी। मुख्यमंत्री ने मणिपुर के कुकी उग्रवादी समूहों के साथ किए गए युद्धविराम समझौता (एसओओ) को निरस्त करने की भी मांग की।मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में यूनिफाइड कमांड गठित करने की आवश्यकता है, ताकि अभियान को कारगर तरीके से चलाया जा सके। दरअसल, कूकी उग्रवादी समूहों के साथ वर्ष 2008 में यह त्रि-पक्षीय समझौता किया गया था। हालांकि, इस समझौते की मियाद चालू वर्ष के फरवरी माह में समाप्त हो चुकी है। सरकार ने इसका फिर से नवीकरण नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि अभियान को और अधिक कारगर बनाने के लिए एकल नेतृत्व की आवश्यकता है। समेकित रूप से सुरक्षा बलों के अभियान चलाने के बाद ही स्थिति को नियंत्रित किया जा सकता है। उल्लेखनीय के मणिपुर में लगातार जारी हिंसा के बीच शनिवार को मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने अपने सहयोगी दलों तथा पार्टी विधायकों एवं नेताओं को बुलाकर अपना इस्तीफा राज्यपाल को सौंपने की घोषणा की थी। बाद में केंद्रीय नेतृत्व ने मुख्यमंत्री को इस्तीफा देने से रोका गया। मुख्यमंत्री कल से लेकर आज तक कई दौर की बैठकें कर चुके हैं। इन बैठकों में मौजूदा स्थिति से निपटने के लिए व्यापक रणनीति तैयार की गई है। देखना यह है कि केंद्र सरकार इस मुद्दे पर क्या रुख अख्तियार करती है।

सुल्तानपुर एनकाउंटर पर ...

गए पोस्ट में मंत्री नंदी ने लिखा है कि अखिलेश जी पूरा प्रदेश जानता है कि आपकी सरकार में जाति और मजहब देखकर नौकरियाँ दी जाति थी। जाति और मजहब देखकर थाने से अपराधी छुड़वाए जाते थे। जाति और मजहब देखकर एफआईआर होती थी। हमारी सरकार सुशासन, सेवा और सुरक्षा के लिये प्रतिबद्ध है। कानून व्यवस्था और वर्दी के इकबाल को चुनौती देने वाले आपराधिक व असामाजिक तत्वों को उन्ही की भाषा में माकूल जवाब मिलता आया है और आगे भी मिलता रहेगा। जनता देख रही है कि किसे उनके जान-माल की चिन्ता है और किसे अपराधियों के जान की चिन्ता खाये जा रही है। आखिर हर माफिया और हर अपराधी के अन्त पर आपको ही क्यों तकलीफ होती है ? नंदी ने कहा है कि हमारे सरकार की उपलब्धि वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट है और वन डिस्ट्रिक्ट वन मेडिकल कॉलेज जैसी योजनाएं हैं। आपकी सरकार के समय वन डिस्ट्रिक्ट और वन माफिया के तहत हर जिले में माफियाओं की दहशत का साम्राज्य था। यही गुण्डे माफिया पुलिस को निर्देशित करते थे। माफियाओं के प्रति आपकी इस हमदर्दी की सजा उत्तर प्रदेश एक बार भुगत चुका है। लेकिन नये भारत का नया उत्तर प्रदेश उस दौर से बहुत आगे निकल आया है। अब माफिया और अपराधियों को सत्ता का संरक्षण अतीत की बात हो गयी है।

लखनऊ में इमारत गिरने...

है। घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूँ। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से प्रत्येक मृतक के परिजन को 2 लाख रुपए की अनुग्रह राशि दी जाएगी। जबकि घायलों को 50, 000 रुपए दिए जाएंगे। उल्लेखनीय है कि इस इमारत के गिरने से अब तक आठ लोगों की मौत हो गई है और 28 लोग घायल हैं।

गंगोत्री हाईवे पर भूस्खलन...

दौरान भूस्खलन का उपचार कार्य शुरू करने से समस्या बढ़ रही है। इससे भूस्खलन की समस्या और गंभीर हो सकती है, जो लगातार बन रही है। भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष सत्ये सिंह राणा ने कहा कि मानसून के सीजन में भूस्खलन का उपचार करना गलत फैसला था, जिससे बार बार गंगोत्री हाईवे बंद हो रहा है और चार -धाम यात्रा प्रभावित हो रही है।

पहलवान बजरंग पूनिया ...

चेतावनी है। कांग्रेस नेता बजरंग पूनिया ने बहालगढ़ थाना में इस धमकी को लेकर शिकायत मिली है। पुलिस प्रवक्ता रविंद्र कुमार ने जानकारी दी कि इस धमकी को गंभीरता से लेते हुए पुलिस जांच कर रही है। बजरंग पूनिया और पहलवान विनेश फोगाट ने 6 सितंबर को कांग्रेस में शामिल हुए थे। इसके बाद कांग्रेस ने विनेश फोगाट को हरियाणा के जींद जिले की जुलाना विधानसभा सीट से उम्मीदवार घोषित किया और बजरंग पूनिया को ऑल इंडिया किसान कांग्रेस का वर्किंग चेयरमैन नियुक्त किया।

इंटरपोल ने जारी किया ...

की आर्थिक गतिविधियों में संलिप्त होने की जानकारी दी है। इसके मुताबिक इन तीनों ने लगातार खाड़ी देशों का दौरा किया और इनके बैंक खातों में विदेशी बैंकों के जरिए जमकर लेनदेन हुआ। इंटरपोल ने लेनदेन का विवरण भी साझा किया है। नेपाल पुलिस के प्रवक्ता डीआईजी दान बहादुर कार्की ने इंटरपोल की तरफ से इस तरह के पत्र मिलने की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि इंटरपोल द्वारा भेजे गए विवरण में कालिकोट निवासी महेन्द्र बहादुर शाह, दीपेंद्र बहादुर शाह और नेपाल पुलिस के डीएसपी हेम बहादुर शाही का नाम शामिल है। इस पूरे मामले का गहन अन्वेषण किया जा रहा है। नेपाल पुलिस के विशेष ब्यूरो से जुड़े एक अधिकारी के मुताबिक महेन्द्र बहादुर शाह लंबे समय से दुबई और मलेशिया में रह रहा है। इस पुलिस अधिकारी का दावा है कि सिर्फ इसके ही नहीं बल्कि नेपाल के अन्य लोगों के भी आईएसआईएस से जुड़े होने की आशंका है। इस पूरे मामले का गहन अन्वेषण किया जा रहा है।

अबू धाबी के क्राउन प्रिंस ...

नरेंद्र मोदी से मिलेंगे और द्विपक्षीय सहयोग के कई क्षेत्रों पर चर्चा करेंगे। उनका भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से भी मिलने का कार्यक्रम है। वे महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि देने के लिए राजघाट भी जाएंगे। मंगलवार को वे एक बिजनेस फोरम में भाग लेने के लिए मुंबई जाएंगे, जिसमें दोनों देशों के कारोबारी नेता भाग लेंगे। विदेश मंत्रालय के अनुसार भारत और यूएई के बीच ऐतिहासिक रूप से घनिष्ठ और मैत्रीपूर्ण संबंध हैं। हाल के वर्षों में, भारत और यूएई के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी राजनीति, व्यापार, निवेश, कनेक्टिविटी, ऊर्जा, प्रौद्योगिकी, शिक्षा और संस्कृति सहित कई क्षेत्रों में गहरी हुई है। क्राउन प्रिंस की यात्रा भारत-यूएई द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करेगी और नए और उभरते क्षेत्रों में साझेदारी के लिए रास्ते खोलेगी।

हिंदी भाषा में हो चिकित्सा...

पर सन्तोष व्यक्त किया गया कि, आज विश्व के कोने-कोने में हिंदी बोलने और समझने वाले मिल रहे हैं जिसमें हमारे युवा वैज्ञानिकों, व्यापारियों और उपभोक्ताओं का सराहनीय योगदान है। आयोजन के मुख्य अतिथि हिंदी साहित्य के प्रति समर्पित उ.प्र राज्य कर्मचारी साहित्य संस्थान से निकलने वाली त्रैमासिक पत्रिका *अपरिहार्य* के पूर्व सम्पादक अनन्त प्रकाश तिवारी उपस्थित रहे। समारोह की अध्यक्षता गोपाल कुंज अध्यासी कल्याण समिति वृन्दावन योजना लखनऊ के पूर्व अध्यक्ष, कर्नल वाई.एस यादव ने की। समारोह में अवकाश प्राप्त न्यायाधीश आरपी द्विवेदी, अवकाश प्राप्त न्यायाधीश एसके विश्वकर्मा के साथ ही इं जटाशंकर, अधिवक्ता विनय शंकर पांडेय, पूर्व वायु सेना अधिकारी केएस मिश्र, समर्थ सिंह एवं एस के विश्नोई भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर अ-मोक्ष साधना केंद्र के संस्थापक शिवशंकर द्विवेदी ने अपनी कविता संग्रह *जीवन के स्वर* में विवेच्य बिंदुओं पर प्रकाश डालते हुए हिंदी के विकास हेतु अपेक्षित कार्य के लिए विचारणीय बिंदुओं पर उपस्थित विद्वतजन से अपने-अपने विचार रखने का अनुरोध किया। जिस पर अ-मोक्ष साधना केंद्र की महाप्रबन्धक कुसुमलता द्विवेदी ने *जीवन के स्वर* की प्रतियां उपस्थित सदस्यों को प्रदान की।

ममता सरकार के रवैये के खिलाफ ...

क्यों नहीं जूनियर डॉक्टरों से सीधी बात कर रही हैं। अब सरकार द्वारा जो भी शासकीय कदम उठाए जा रहे हैं, वे बहुत कम और काफी देर से उठाए गए हैं। इससे पहले ममता ने इस आंदोलन को वामपंथी और भाजपा का समर्थन प्राप्त बताया था। उसी राह पर चलते हुए तृणमूल के अन्य नेताओं ने भी इस आंदोलन को राजनीतिक साजिश करार दिया। जवाहर सरकार ने इस प्रवृत्ति की निंदा करते हुए लिखा कि इस आंदोलन में शामिल लोग गैर-राजनीतिक और स्वत:स्फूर्त रूप से विरोध कर रहे हैं। इसलिए इस आंदोलन पर राजनीतिक लेबल लगाना उचित नहीं होगा। ये लोग राजनीति को पसंद नहीं करते। वे केवल न्याय और सजा की मांग कर रहे हैं। जवाहर सरकार के इस कदम के बाद तृणमूल में एक नई चुनौती खड़ी हो गई है, जो आने वाले दिनों में पार्टी की राजनीतिक स्थिति पर बड़ा प्रभाव डाल सकती है।

बांग्लादेश : राष्ट्रगान बदलने की मांग ...

से बांग्लादेश का निर्माण करना चाहती है। बांग्लादेश में हिंदू समुदाय के लोगों को निशाना बनाए जाने के मामले पर उन्होंने भरोसा दिलाया कि ऐसे मामलों में संलिप्त लोगों को यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार दंडित करेगी। जो लोग पूजा स्थलों पर हमला करते हैं, वे मानवता के दुश्मन हैं। वे अपराधी हैं और उन पर मौजूदा कानूनों के तहत मुकदमा चलाया जाएगा। उल्लेखनीय है कि शेख हसीना सरकार के पतन के बाद बांग्लादेश में राष्ट्रगान *आमार सोनार बांग्ला* को लेकर विवाद शुरू हो गया है। कट्टरपंथी इसे बदलने की मांग कर रहे हैं। बांग्लादेश जमात-ए-इस्लामी के पूर्व अमीर गुलाम आजम के बेटे अब्दुल्लाहिल अमान आजमी ने देश के राष्ट्रगान और संविधान में बदलाव की मांग की है। आजमी का कहना है कि हमारा वर्तमान राष्ट्रगान हमारे स्वतंत्र बांग्लादेश के अस्तित्व के विपरीत है। दो बंगालों को एकजुट करने के लिए बनाया गया राष्ट्रगान एक स्वतंत्र बांग्लादेश का राष्ट्रगान कैसे बन सकता है? यह राष्ट्रगान 1971 में भारत द्वारा हम पर थोपा गया था। सरकार को नया राष्ट्रगान चुनने के लिए आयोग बनाना चाहिए।

मीडिया कल्याण के लिए बीटीसी ...

सफलता मिलेगी। बीटीसी विभिन्न पहलों के माध्यम से मीडियाकर्मियों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए समर्पित है। हमारे प्रमुख कार्यक्रमों में से एक पत्रकार चिकित्सा बीमा योजना है, जो वर्तमान में 82 मीडियाकर्मियों और उनके आश्रित परिवार के सदस्यों को उनकी भलाई सुनिश्चित करने के लिए कवर करती है। डॉ. स्वर्गियारी ने यह भी बताया कि बीटीसी का सूचना एवं जनसंपर्क विभाग मीडिया रिपोर्टिंग, लेखन, संपादन और प्रसारण कौशल की गुणवत्ता बढ़ाने के साथ-साथ मीडिया अधिनियम और नियमों पर मीडिया कॉन्क्लेव आयोजित करने की योजना बना रहा है। उन्होंने आगे बताया कि बीटीसी मीडिया कर्मियों के कल्याण को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से अतिरिक्त अभिनव योजनाओं पर विचार कर रहा है। खुले सत्र को एनके टीवी के सलाहकार संपादक प्रणय बोरदोलोई और वरिष्ठ टीवी पत्रकार रंजन लाल सरमा ने भी संबोधित किया।

नई शिक्षा नीति को नहीं ...

करने का अधिकार देती है, जिसमें सभी भाषाओं को उचित महत्व दिया गया है। देश के संस्थानों को कलंकित और अपमानित करने वाले लोगों के प्रति आगाह करते हुए धनखड़ ने उन गुमराह लोगों को रास्ता दिखाने का आग्रह किया जो भारत के प्रभावशाली विकास को स्वीकार करने में सक्षम नहीं हैं और जमीनी हकीकत को नहीं पहचान रहे हैं। इस दौरान उपराष्ट्रपति ने सभी से साक्षरता को बढ़ावा देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि हम प्रतिबद्धता और जुनून के साथ मिशन मोड में काम करें ताकि जल्द से जल्द 100 प्रतिशत साक्षरता सुनिश्चित की जा सके। उन्हें यकीन है कि यह जितना हम सोच रहे हैं, उससे भी पहले हासिल किया जा सकता है। इस अवसर पर शिक्षा राज्य मंत्री जयंत चौधरी, स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के सचिव संजय कुमार और अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे।

भारत में आया ...

उसकी हालत स्थिर है। वह ऐसे देश की यात्रा करके आया है जहां मंकीपॉक्स के मामले पाए गए हैं। एमपॉक्स की उपस्थिति की पुष्टि करने के लिए रोगी के नमूनों का परीक्षण किया जा रहा है। मामले को स्थापित प्रोटोकॉल के अनुसार प्रबंधित किया जा रहा है और संभावित स्रोतों की पहचान करने और देश के भीतर प्रभाव का आकलन करने के लिए संपर्क ट्रेसिंग जारी है। मंत्रालय के अनुसार इस मामले का विकास एनसीडीसी द्वारा किए गए पहले के जोखिम मूल्यांकन के अनुरूप है और किसी भी अनावश्यक चिंता का कोई कारण नहीं है। देश इस तरह के अलग-अलग यात्रा से संबंधित मामलों से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है और किसी भी संभावित जोखिम को प्रबंधित करने और कम करने के लिए मजबूत उपाय किए गए हैं।

एक दिवसीय दौरे पर ...

रहेंगे। कोलकाता के इस प्रवास में डॉ. भागवत का किसी राजनीतिक व्यक्ति से मुलाकात का कोई कार्यक्रम नहीं है। बौद्धिक प्रशिक्षण वर्ग संघ की गतिविधियों का महत्वपूर्ण भाग है, जिसमें संघ के बारे में विस्तार से चर्चा की जाती है। डॉ. भागवत आज रात कोलकाता से अपने अगले गंतव्य के लिए प्रस्थान करेंगे।

असम में सेबा और इंटर ...

शिक्षा बोर्ड का गठन कर दिया है। असम के राज्यपाल द्वारा जारी आधिकारिक अधिसूचना में रमेश चंद्र जैन, आईएएस (सेवानिवृत्त) को असम राज्य विद्यालय शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष के रूप में तीन साल या 70 साल तक की आयु (जो भी कम हो) के लिए नियुक्त किया गया है। इस प्रकार जैन को तत्काल प्रभाव से असम के स्कूल शिक्षा बोर्ड (सेबा) के अध्यक्ष के प्रभार से मुक्त कर दिया गया है। मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने बताया कि नया बोर्ड 21वीं सदी की जरूरतों के अनुरूप स्कूली शिक्षा को समेकित करेगा। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया के जरिए आज इस आशय की जानकारी दी।

मंत्री रंजीत दास ने लिया भाजपा के सदस्यता अभियान में भाग

बजाली (हिंस)। पाठशाला में भारतीय जनता पार्टी के सदस्य भर्ती अभियान में असम प्रदेश भाजपा महासचिव पल्लब लोचन दास और कैबिनेट मंत्री रंजीत कुमार दास ने आज भाग लिया। पाठशाला स्थित हरि मंदिर परिसर में आयोजित इस अभियान में हजारों की संख्या में लोग शामिल हुए। भाजपा के सभी औपचारिक नामांकित सदस्यों ने मोबाइल फोन से विशेष नंबरों पर मिस्ड कॉल देकर भाग लिया। कार्यक्रम के बाद पल्लब लोचन दास ने मीडिया से कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व में असम में फिर से सरकार बनाने के लिए असम के लोग उसे आशीर्वाद देंगे। उपचुनाव में पल्लब लोचन दास का नाम उम्मीदवार के रूप में सामने आने संबंधी सवाल पर उन्होंने कहा कि वह पार्टी द्वारा दी जानेवाली जिम्मेदारी को संभालेंगे। वहीं, मंत्री रंजीत कुमार दास ने सदस्यता अभियान को लेकर कहा कि जो कोई भी गैर-राजनीतिक है, वह भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो सकता है। सभी पुराने सदस्यों का पंजीकरण फिर से नवीनीकृत करना होगा। पूरे भारत में 19 करोड़ सदस्यों की भर्ती का लक्ष्य है। प्रधानमंत्री असम को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 1 लाख 71 हजार मकान देंगे, सरकार गरीब लोगों को कच्चा मकान होने पर भी मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत घर देगी। मंत्री रंजीत कुमार दास ने रिपुन बोरा के कांग्रेस पार्टी में शामिल होने पर भी प्रतिक्रिया व्यक्त की।

आगामी रविवार से शुरू होगी सीधी भर्ती परीक्षा : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी (हिंस)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि अगले रविवार से असम में सीधी भर्ती परीक्षा शुरू होगी। आज सोशल मीडिया के जरिए मुख्यमंत्री ने कहा कि असम डायरेक्ट रिक्रूटमेंट एग्जाम (एडीआरई) यानी असम सीधी भर्ती परीक्षा अगले रविवार से विभिन्न चरणों के लिए शुरू होगी। मुख्यमंत्री ने कहा है कि यह परीक्षा न केवल उम्मीदवारों के लिए, बल्कि हमारी सरकार के लिए भी है। हम पारदर्शी और निष्पक्ष परीक्षा आयोजित करने पर कोई समझौता नहीं करेंगे। सार्वजनिक परीक्षाओं में कदाचार को रोकने के लिए विधानसभा में एक विधेयक पारित किया जा चुका है।

पांच अवैध घुसपैठियों को पुलिस ने वापस भेजा बांग्लादेश

गुवाहाटी (हिंस)। असम पुलिस ने पांच अवैध बांग्लादेशी नागरिकों को वापस बांग्लादेश भेज दिया है। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने आज इस आशय की जानकारी सोशल मीडिया के जरिए देते हुए कहा, 卐हमारा पुलिस प्रशासन इस घुसपैठ के खिलाफ पूरी तरह से तैयार है। और, इसी का नतीजा है कि असम पुलिस ने बीती आधी रात को पांच बांग्लादेशी घुसपैठियों को हिरासत में लिया और बांग्लादेश वापस भेज दिया। असम पुलिस की यह मजबूत भूमिका आने वाले समय में भी ऐसी ही रहेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि पकड़े गए बांग्लादेशियों की पहचान मुस्तबिस रहमान, आसमा बीबी, अवनी सदर, लीमा सदर और सुमाया अख्तर के रूप में हुई है, जिन्हें कल गिरफ्तार किया गया था और वापस भेज दिया गया।

पूसीरे की रेसुब ने 44 नाबालिगों और तीन महिलाओं को किया उद्धार

गुवाहाटी (हिंस)। पूर्वोत्तर सीमा रेलवे (पूसीरे) की रेलवे सुरक्षा बल (रेसुब) ने विभिन्न ट्रेनों और रेलवे स्टेशनों पर 16 से 31 अगस्त तक चलाए गए एक अभियान के दौरान 44 नाबालिगों और तीन महिलाओं का उद्धार किया। पूसीरे के सीपीआरओ कपिंजल किशोर शर्मा ने रविवार को बताया है कि जनवरी से जुलाई माह की अवधि के दौरान सरकारी रेल पुलिस (जीआरपी) और चाइल्ड लाइन एवं गैर सरकारी संगठनों के समन्वय से रेसुब ने 456 नाबालिगों और 42 महिलाओं का उद्धार किया गया। इन बच्चों तथा महिलाओं को संबंधित चाइल्ड लाइन एवं एनजीओ और जीआरपी को सौंप दिया गया। साथ ही इसी अवधि के दौरान कुल आठ मानव तस्करों को गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया है कि गत 16 अगस्त की एक घटना में किशनगंज रेसुब की टीम ने भागे हुए तीन नाबालिग लड़कों को किशनगंज रेलवे स्टेशन से उद्धार किया। 24 अगस्त को डिब्रूगढ़ रेसुब की टीम ने भागे हुए चार नाबालिग लड़कों को डिब्रूगढ़ रेलवे स्टेशन से उद्धार किया। बाद में इन उद्धार किए गए नाबालिगों को सुरक्षित अभिरक्षा के लिए क्रमशः चाइल्ड हेल्पलाइन, किशनगंज और डिब्रूगढ़ को सौंप दिया गया। उन्होंने बताया कि ट्रेनों और रेल परिसरों में देखभाल और संरक्षण के लिए उपाय किए जा रहे हैं। रेल यात्रियों की सुरक्षा में अपराधियों के खिलाफ, मानव तस्कर में संलिप्त संदिग्ध व्यक्तियों के प्रति सतर्क रहने के साथ-साथ बच्चों की संदिग्ध तरीके से आवाजाही, बिना अभिभावक के अकेले यात्रा करने आदि मामलों पर रेलवे सुरक्षा बल अनवरत कार्रवाई करती है।

रिपुन बोरा कांग्रेस में शामिल

बोले, असम में भाजपा को कांग्रेस ही उखाड़ सकती है

गुवाहाटी (हिंस)। तृणमूल कांग्रेस से इस्तीफा देने के बाद पूर्व सांसद रिपुन बोरा रविवार को औपचारिक रूप से फिर से कांग्रेस में शामिल हो गए। उन्होंने कहा कि असम में कांग्रेस ही भाजपा को उखाड़ सकती है। समय की मांग को देखते हुए वह ढ़ाई वर्ष बाद फिर से कांग्रेस में वापस आए हैं। तृणमूल कांग्रेस में रहकर असम में राजनीति करते तो वोट विभाजन के अलावा कुछ भी नहीं कर पाते, जिससे भाजपा शक्तिशाली होती है। पूर्व सांसद बोरा कांग्रेस में शामिल होने के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जिस राज्य में जो भी गैर-भाजपा दल मजबूत स्थिति में है, उन राज्यों में उसी दल को समर्थन देना होगा। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस को और उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी यानी जिस राज्य में जो भी पार्टी मजबूत है, उसे कांग्रेस समर्थन देगी। उन्होंने कहा कि असम में कांग्रेस ही एक ऐसी पार्टी है, जो भाजपा को हरा सकती है। इसीलिए सभी दलों को यहां कांग्रेस का सहयोग करना चाहिए। कांग्रेस में शामिल होने के बाद रिपुन बोरा आज से चराईदेव में शुरू हुए प्रदेश कांग्रेस की कार्यकारिणी की बैठक में शामिल हुए। बैठक में कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव तथा असम प्रभारी जितेंद्र सिंह, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष भूपेन कुमार बोरा, पूर्व सांसद पवन सिंह घटवार समेत पार्टी के कार्यकारिणी के सदस्य एवं सभी जिला अध्यक्ष समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए है। खबर लिखे जाने तक बैठक चल रही थी।

बंगाईगांव के डीटीओ दीपक पटवारी गिरफ्तार

बंगाईगांव (हिंस)। आखिरकार बंगाईगांव के जिला परिवहन पदाधिकारी दीपक पटवारी को आज पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। दीपक पटवारी को गुवाहाटी से बंगाईगांव पुलिस ने गिरफ्तार किया है। गुवाहाटी के रिहाबारी आर्या अस्पताल के पास स्थित डीटीओ के घर पर अंतिम सूचना तक तलाशी अभियान जारी है। बंगाईगांव में 417 वाहनों का फर्जी पंजीकरण करने के आरोपों के बाद, असम सरकार के शीर्ष परिवहन अधिकारी ने जिला परिवहन कार्यालय के कुछ दस्तावेज जब्त किए और जांच के बाद जिला परिवहन अधिकारी को गिरफ्तार करवाने का इंतजाम किया। बंगाईगांव परिवहन अधिकारी कार्यालय ने फर्जी पहचान के साथ लगभग चार सौ वाहनों का पंजीकरण किया है। बंगाईगांव परिवहन अधिकारी ने लक्षद्वीप के फर्जी पंजीकरण को आधार बनाकर गाड़ियों का फिर से पंजीकरण किया।

श्री सीताराम ठाकुरबाड़ी ट्रस्ट की ओर से श्री गणेश चतुर्थी का भव्य आयोजन

गुवाहाटी – महानगर के फैंसी बजार के एसआरसीबी रोड स्थित श्री सीताराम ठाकुरबाडी ट्रस्ट, गुवाहाटी के तत्वाधान में श्री गणेश जन्मोत्सव समिति के तत्वाधान मे वैदिक मंत्रोच्चार से गणेश चतुर्थी का आयोजन हुआ। इस अवसर पर भगवान गणेश का भव्य एव आकर्षक दरबार सजाया गया तथा गौरी पुत्र गणेश को 51 केजी के बड़े लड़ूओ का भोग तथा छप्पन भोग अर्पण किया गया। सर्वप्रथम पंडितों द्वारा भगवान गणेश जी का आहवान करके विशेष पुजा प्रारम्भ हुआ। बाबा का अभिषेक किया गया तथा इक्कीस तरह की पत्रावली से भगवान गणेश के 1008 नामों के साथ-साथ दुर्वा, मिश्री, अखोई, मोदक के लड्डू व सिक्कों के साथ पूजन संपूर्ण हुआ। तत्पश्चात भगवान गणेश की आरती के साथ तथा गणेश जी के जयकारों से धर्मशाला प्रांगण गणेशमय हो गया तथा भक्तों को प्रसाद वितरण किया गया। अगले चरण में संध्या सात बजे गुवाहाटी के प्रमुख भजन मंडली एक गायकों द्वारा भजन संध्या का शुभारंभ हुआ जो रात्री नौ बजे बाबा की आरती के साथ सम्पन्न हुआ। भजनसंध्या में सालासार मित्र मंडल, चार तल्ला बालाजी भक्त मंडल, श्याम शर्मा व बलराज शर्मा की जोडी तथा महेन्द्र गौड़ एण्ड पार्टी के भगवान गणेश के भजनो से भक्तों थिरकने तथा नाचने में मजबूर कर दिया व पुरा प्रांगण गणेशमय हो गया। आज के इस कार्यक्रम के मुख्य यजमान संदीप अजीतसरीया सपत्नीक थे। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में ठाकुरबाड़ी ट्रस्ट के श्रवण सांगानेरीया, हर्ष अजितसरिया, नवल किशोर मौर, सोनु पारीक, मुरारी शर्मा, लक्ष्मीपत माटोलीया, गोपाल वर्मा व अन्य सहयोगियों ने अपना पूर्ण सहयोग दिया।

रंगिया : विशाल शोभायात्रा के साथ गणेश चतुर्थी महोत्सव का समापन

रंगिया (विभास)। रंगिया के श्री श्री राधाकृष्ण मंदिर प्रांगण मे तीन दिवसीय कार्यक्रमों के साथ आयोजित श्री श्री गणेश चतुर्थी महोत्सव का रविवार को पूजा अर्चना और भव्य शोभायात्रा के साथ सफल समापन किया गया। मालूम हो कि श्री श्री गणेश चतुर्थी महोत्सव समिति द्वारा 06 सितम्बर को रात्रि 9.01 बजे मंदिर प्रांगण में श्री गणेश जी की विशाल प्रतिमा की स्थापना के बाद रात्रि 12.01 बजे जन्मोत्सव समारोह के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया था। इस दौरान गत शनिवार को यानी श्री गणेश जन्मोत्सव के दिन सुबह 09.01 बजे धार्मिक ध्वजारोहण के पश्चात सुबह 09.31 बजे पूजा प्रारंभ की गई। इसके पश्चात अपराह्न 12.15 बजे हवन एवं महाआरती, अपराह्न 01.01 बजे प्रसाद वितरण और नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन इसके बाद संध्या 108 दीप प्रज्वलन, संध्या 07.15 बजे आरती, संध्या 07.45 बजे छप्पन भोग व रात्रि 09.01 बजे आमंत्रित कलाकारों द्वारा भजन संध्या का आयोजन किया गया। वहीं रविवार को सुबह 09.01 बजे श्री गणेश जी की आरती एवम् प्रसाद वितरण और लड्डू लाओं प्रतियोगिता के बाद अपराहन 05.01 बजे गाजे बाजे के साथ सेठ गणेश जी की आकर्षक शोभायात्रा निकाली गई। इस मौके पर पुरूष- महिलाएं, युवा वर्ग सहित भारी संख्या में बच्चों और बुजुर्गों ने भी बड़े ही उत्साह के साथ भाग लिया। मंदिर प्रांगण से निकली शोभायात्रा नगर के मुख्य-मुख्य मार्गों से होती हुई सायं 7.30 बजे पुनः मंदिर प्रांगण पहुंची। जहां श्री गणेश जी की आरती उतारी गई और सभी भक्त ढाकी की धुन पर झूम उठे। मालूम हो कि शोभायात्रा में सुसज्जित गणेश जी की झांकी विशेष आकर्षन का केंद्र रही। आयोजन समिति के अध्यक्ष जितेंद्र जाजोदिया, सचिव सौरभ बजाज, कोषाध्यक्ष शुभम जाजोदिया द्वारा महोत्सव को सफल बनाने के लिए सभी कार्यकर्ताओं और समाजबंधुओं का आभार व्यक्त किया गया है।

बरमूरा खानापाड़ा सुबुरी के नामघर के मुख्य *मणिकुट* की रखी गई आधारशिला

रंगिया (विभास)। रंगिया महकमा के अंतर्गत बरमूरा गांव के खानापारा सुबुरी के एकमात्र उपासना स्थली तथा हृदपिंड स्वरूप नामघर के मुख्य *मणिकुट* की रविवार को आधारशिला रखी गई। इस मौके पर नामघर प्रांगण मे विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अन्तर्गत सुबह 8 बजे साफ-सफाई और पौधारोपण, सुबह 8.50 बजे शराई स्थापना, सुबह 9 बजे श्रीमद्भागवत पाठ सहित सुबह 11बजे मणिकुट की आधारशिला रखी गई। इसके अलावा दोपहर 12 बजे महिलाओं का नाम प्रसंग और दोपहर 2 बजे प्रसाद व महाप्रसाद वितरण किया गया। कार्यक्रम मे अवरप्राप्त अध्यापक तथा विशिष्ठ समाजकर्मी पविन कलिता, स्वस्ति अस्पताल के प्रबंध निदेशक तथा जानेमाने चिकित्सक डॉ. हितेंद्र कलिता, हेमधर मेधी, उज्ज्वल डेका, बैकुंठ वैश्य, भवेन शर्मा, सुरेन कलिता, धरनी कलिता, लोहित दास, हरिचरण बेजबरुवा, धीरेन कलिता, प्रताप डेका के अलावा गांव विकास समिति के अधिकारियों के साथ स्थानीय भक्तों ने भाग लिया। वहीं बरमुरा खानापारा गांव विकास समिति के अध्यक्ष तरूण चन्द्र वैश्य, महासचिव धीरेन वैश्य ने सुबुरि बासियो की एकक प्रचेष्टा पर मणिकुट की आधारशिला स्थापन के लिए सभी को धन्यवाद दिया है।

बंगाईगांव केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन ने सांसद फनी भूषण चौधरी को सम्मानित किया

बंगाईगांव। बंगाईगांव केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन ने बंगाईगांव के पूर्व विधायक तथा बरपेटा लोक सभा क्षेत्र से नव निर्वाचित सांसद श्रीमान फनी भूषण चौधरी का रविवार को हार्दिक अभिनंदन किया गया। संस्था की ओर से अध्यक्ष अरुप कुमार मल्लिक ने साल प्रदान कर, सचिव अशोक चौधरी ने फूलाम गामोछा से स्वागत किया। उपाध्यक्ष परमानंद पाटगिरी ने मानपत्र का पठन किया तथा उपस्थित सभी सदस्यों ने इस मानपत्र को सांसद महोदय को प्रदान किया। इस अवसर पर संस्था की ओर से राजेश्वर देवनाथ, महेश कुमार अग्रवाल, सुशांत दत्तो, शंभू चरण दास, परेस कुंडू, उत्तम विश्वास, उत्तम मालाकार आदि सदस्य उपस्थित थे। कोषाध्यक्ष महेश कुमार अग्रवाल ने सम्मान समारोह को संजोते हुए माननीय सांसद फनी भूषण चौधरी की राजनीतिज्ञ यात्रा पर प्रकाश डाला एवं उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इसके बाद सांसद महोदय से बातचीत करते हुए आशा व्यक्त की गई की फनी भूषण चौधरी अपने निर्वाचन क्षेत्र को उन्नत मूलक कार्यों से और शक्तिशाली करेंगे। अध्यक्ष अरुण कुमार मलिक ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

पुल से युवक ने नदी में लगाई छलांग, रेस्क्यू में जुटी एसडीआरएफ

बरपेटा (हिंस)। बरपेटा में रविवार सुबह खुदकुशी करने के लिए एक युवक ने नदी में छलांग लगा दी। मरा नदी बरपेटा जिला शहर में जिला उपायुक्त कार्यालय के पास से होकर बहती है। नदी में कूदने वाले युवक की पहचान सुंदरिदिया दक्षिणहाटी के धनमणि दास उर्फ सूना के रूप में हुई है। 18 वर्षीय धनमणि दास सुबह साइकिल से घर से निकला था। युवक ने अपनी साइकिल पुल पर रखकर नदी में छलांग लगा दी। इसकी सूचना मिलने के बाद बरपेटा पुलिस और एसडीआरएफ के जवान मौके पर पहुंचे और युवक के लिए रेस्क्यू अभियान चलाया। हालांकि, काफी देर तक चलाए गये रेस्क्यू अभियान के बावजूद युवक का कोई सुराग नहीं मिल पाया है।

रंगिया में गणेश चतुर्थी महोत्सव के दूसरे दिन रही भक्तों की भीड़

रंगिया। शहर के मध्य स्थापित श्री श्री राधाकृष्ण मंदिर प्रांगण में 36वें वार्षिक श्री श्री गणेश चतुर्थी महोत्सव के द्वितीय दिन व्यापक कार्यक्रम हर्षोल्लास के साथ आयोजित किए गए। मालुम हो कि गत शुक्रवार से प्रारंभ हुए महोत्सव के कार्यक्रमो में रात्रि प्रतिमा स्थापन के बाद बप्पा का जन्मदिन मनाया गया। शनिवार की सुबह धार्मिक ध्वजारोहण मंदिर संचालन समिति के अध्यक्ष महेश सीकरिया, महामंत्री प्रमोद अग्रवाल तथा समाजसेवी हरिप्रसाद शर्मा द्वारा किया गया। आयोजक समिति के सचिव सौरभ बजाज ने सपत्निक भावना बजाज द्वारा पुजारी गोपाल शर्मा व सहयोगी के विधि विधान से मंत्रोच्चार के साथ करवाया गया। हवन, महा आरती, पूष्पाजंलि व प्रसाद वितरण किया गया। अपराहण 4 बजे बच्चों के बीच नृत्य प्रतियोगिता, संध्या 108 दीप प्रज्वलन, संध्या आरती, छप्पन भोग व प्रसाद वितरण के बाद आमंत्रित कलाकारो द्वारा भजन संध्या का आयोजन किया गया। जिसमे भक्तों को झूमते देखा गया। समिति अध्यक्ष जितेन्द्र जाजोदिया, सचिव सौरभ बजाज तथा कोषाध्यक्ष शुभम जाजोदिया से प्राप्त जानकारी में आज रविवार की सुबह आरती व प्रसाद वितरण के बाद लड्डू लाओ प्रतियोगिता आयोजित की गई। उल्लेखनीय है कि प्रचंड गर्मी के कारण गणपति बप्पा व शिव परिवार की शोभायात्रा करीब पांच बजे बाद निकाली जायेगी, आरती के साथ महोत्सव कार्यक्रम संपन्न होने की जानकारी मिली है। महोत्सव के सभी कार्यक्रमो को सफल बनाने में आयोजक समिति ने प्रमोद बजाज, पुनित लुंडिया, राजेश लाडसरिया, अंकुश बजाज, मंथन जैन, नितीश लुंडिया, मीत जैन, पंकज अग्रवाल, गौरब शर्मा, अंकित अग्रवाल, कैलाश छित्रका, रमेश बजाज, गौरव शर्मा, गोपाल जाजोदिया, राजकुमार मोर, अनुप जाजोदिया, कैलाश छित्रका व गरिमा सीकरिया, बच्चों की टोली सहित सभी समाजबंधु, दानदाता, कार्यकर्ताओ का आभार व्यक्त किया है।

संपादकीय

देश विरोधी सोच

लंबी प्रतीक्षा के बाद जम्मू-कश्मीर में चुनाव होने जा रहे हैं, जिसका स्वागत किया जाना चाहिए। परंतु जिस प्रकार के बयान जम्मू-कश्मीर से आ रहे हैं, उनको अस्वीकार करने के साथ ही उनकी निंदा करना भी आवश्यक है। सत्ता की भूख में हमारे राजनेता इतना अधिक नीचे गिर जाते हैं कि उन्हें आतंकियों का पैरोकार बनने में भी शर्म नहीं आती है। जम्मू-कश्मीर नेशनल कांफ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने आतंकी मोहम्मद अफजल उर्फ अफजल गुरु की फांसी को लेकर जिस प्रकार के मंसूबे जाहिर किए हैं, उससे उनकी सोच उजागर होती है। उनका स्पष्ट तौर पर कहना है कि अफजल को गलत ढंग से फांसी दी गई। यदि उनका बस चलता तो अफजल को फांसी नहीं होने देते। इस प्रकार की बातें करके आखिर उमर अब्दुल्ला क्या प्राप्त करना चाहते हैं? बेशर्मी से आतंकियों का पक्ष ले रहे नेताओं के बारे में विचार करते समय यह भी सोचना चाहिए कि उनकी इस प्रकार की देश विरोधी बातों पर उन्हें वोट कौन देता है? उनके मन में यह भाव क्यों है कि आतंकियों का पक्ष लेने से जम्मू-कश्मीर में उन्हें बड़ी संख्या में लोगों के वोट मिल जाएंगे? इससे तो यही आशय निकलता है कि भारत में कुछ लोग ऐसे हैं, जिनकी सोच देश के विरुद्ध है, जो आतंकियों के हितचिंतक हैं। उल्लेखनीय है कि लोकसभा चुनाव में उमर अब्दुल्ला को टेरर फंडिंग के आरोप में जेल में बंद निर्दलीय उम्मीदवार इंजीनियर रशीद ने हराया था। जाहिर है कि वहाँ आतंक समर्थक सोच का प्रभाव है। लेकिन इसका दोष भी लोगों को नहीं बल्कि उन राजनेताओं एवं राजनीतिक दलों को जाता है, जिन्होंने इतने वर्षों में जम्मू-कश्मीर में सांप्रदायिकता, अलगाववाद और आतंकवाद का पोषण किया। आज उसी सोच के हाथों उन्हें पराजय और हताशा का सामना करना पड़ रहा है। जम्मू-कश्मीर में परिवर्तन का दौर चला रहा है, ऐसे में समाज की सज्जनशक्ति को देश विरोधी सोच को हराने के लिए एकजुट होना पड़ेगा। अन्यथा यह विषबेल और अधिक फैलती जाएगी। निःसंदेह, चुनाव जीतने के लिए आतंकियों का पक्ष लेनेवाले नेताओं को सबक सिखाने की जिम्मेदारी जनता की है। स्मरण रखें कि कांग्रेस जम्मू-कश्मीर में इन्हीं उमर अब्दुल्ला के साथ गठबंधन करके चुनाव लड़ रही है। यदि कांग्रेस को संविधान, लोकतंत्र और भारत की जरा भी चिंता है, तब उसे उमर अब्दुल्ला के देश विरोधी बयान के बाद नेशनल क्रॉन्फ्रेंस के साथ अपना गठबंधन समाप्त कर लेना चाहिए। हालांकि इसकी संभावना लगभग शून्य है क्योंकि कांग्रेस को भी सत्ता की भूख कम नहीं है। याद रखें कि जब जेएनयू में आतंकी अफजल की याद में आयोजित कार्यक्रम में भारत, संविधान और न्यायपालिका के विरुद्ध नारेबाजी हुई थी, तब कांग्रेस आरोपी आयोजकों के साथ जाकर खड़ी हो गई थी। क्षुद्र राजनीतिक स्वार्थों की पूर्ति के लिए इस प्रकार की बयानबाजी देखकर लगता है कि भारत में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर गहरायी से विचार-विमर्श करने की आवश्यकता है। वैसे तो देश के पूर्व प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की सरकार ने संविधान में संशोधन करके अनुच्छेद-19(2) के प्रावधान से अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर युक्तियुक्त प्रतिबंध लगा दिए थे परंतु इसके बाद भी अनुच्छेद-19 का दुरुपयोग किया जाता है। कुछ मामलों में अनर्गल प्रलाप को रोकने के लिए कठोर प्रावधान करने की आवश्यकता आज भी अनुभव होती है। राजनीतिक एवं वैचारिक स्वार्थों की पूर्ति के लिए आतंकवादियों का पक्ष लेना, स्पष्ट तौर पर संविधान, न्यायपालिका एवं देश का विरोध है। भारत की संप्रभुता पर सवाल उठाना और आतंकियों का समर्थन करना, किसी भी रूप में स्वीकार नहीं किया जा सकता है।

> सत्ता की भूख में हमारे राजनेता इतना अधिक नीचे गिर जाते हैं कि उन्हें आतंकियों का पैरोकार बनने में भी शर्म नहीं आती है। जम्मू-कश्मीर नेशनल कांफ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने आतंकी मोहम्मद अफजल उर्फ अफजल गुरु की फांसी को लेकर जिस प्रकार के मंसूबे जाहिर किए हैं, उससे उनकी सोच उजागर होती है। उनका स्पष्ट तौर पर कहना है कि अफजल को गलत ढंग से फांसी दी गई। यदि उनका बस चलता तो अफजल को फांसी नहीं होने देते। इस प्रकार की बातें करके आखिर उमर अब्दुल्ला क्या प्राप्त करना चाहते हैं? बेशर्मी से आतंकियों का पक्ष ले रहे नेताओं के बारे में विचार करते समय यह भी सोचना चाहिए कि उनकी इस प्रकार की देश विरोधी बातों पर उन्हें वोट कौन देता है? उनके मन में यह भाव क्यों है कि आतंकियों का पक्ष लेने से जम्मू-कश्मीर में उन्हें बड़ी संख्या में लोगों के वोट मिल जाएंगे? इससे तो यही आशय निकलता है कि भारत में कुछ लोग ऐसे हैं, जिनकी सोच देश के विरुद्ध है, जो आतंकियों के हितचिंतक हैं। उल्लेखनीय है कि लोकसभा चुनाव में उमर अब्दुल्ला को टेरर फंडिंग के आरोप में जेल में बंद निर्दलीय उम्मीदवार इंजीनियर रशीद ने हराया था।

जल-वायु दोनों की गुणवत्ता के साथ ग्रीन हाउस गैस संतुलन भी बेहद प्रभावित हुआ

जलवायु परिवर्तन में भूमिका की अनदेखी

ऋतुपर्ण दवे

ऋतुप जलवायु परिवर्तन के लिए जितने भी ज्ञात और चर्चित कारण हैं, उनमें अब नाइट्रोजन भी एक नया नाम बन गया है। ऐसा लगता है कि लंबे समय तक इस पर वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं ने ध्यान नहीं दिया। सिंथेटिक उर्वरकों के उपयोग, अपशिष्ट जल के निर्वहन और जीवाश्म ईंधन के दहन से बढ़ता नाइट्रोजन का प्रभाव एक बड़ा खतरा है। यह भूमि, जल और वायु को प्रदूषित कर जलवायु परिवर्तन को बढ़ावा देता है और ओजोन परत को भी नुकसान पहुंचाता है। दरअसल, इस सच्चाई तक पहुंचने में साक्ष्य, प्रमाण और वास्तविकताओं से तालमेल बिठाने में लंबा समय लगा। अब खेती-किसानी से लेकर पशुपालन में इसके भरपूर उपयोग को जलवायु परिवर्तन का उतना ही दोषी माना जा रहा है जितना मानव जनित कॉर्बन डाइऑक्साइड और मीथेन को। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम यानी यूएनईपी प्रतिक्रियाशील नाइट्रोजन के बारे में हालिया प्रकाशित फ्रंटियर्स रिपोर्ट बेहद चौंकाती है। साल 2018-2019 में तमाम अध्ययनों के बाद जारी चेतावनी में नाइट्रोजन प्रदूषक को खतरनाक बताया गया। लेकिन वैज्ञानिक अब भी किसी नतीजे पर नहीं पहुंच पा रहे हैं। यह ऐसा मिश्रण बनकर सामने आया जो स्वास्थ्य, जलवायु तथा पारिस्थितिक तंत्र यानी ईको सिस्टम के लिए खतरनाक साबित हुआ। इससे जल-वायु दोनों की गुणवत्ता के साथ ग्रीन हाउस गैस संतुलन भी बेहद प्रभावित हुआ। इसने पारिस्थितिक तंत्र और जैव विविधता को जबरदस्त नुकसान पहुंचाया। नाइट्रिक ऑक्साइड और नाइट्रोजन डाइऑक्साइड के अलावा खेतों से उत्सर्जित अमोनिया भी इकोसिस्टम में पहुंच, दूसरी रासायनिक क्रियाओं के मेल से अम्लीय वर्षा तक के लिए जिम्मेदार दिखा। एयरकंडीशनर और फ्रिज में भरी जाने वाली गैस हाइड्रोफ्लोरोकार्बन्स यानी एचएफसी गैसें भी नाइट्रोजन ट्राइफ्लोराइड यानी 'एफ श्रेणी की बेहद खतरनाक गैसों' में हैं जो पर्यावरण के लिए कितनी खतरनाक हैं, सर्वविदित है। वैज्ञानिकों ने पर्यावरणीय आंकड़ों के विश्लेषण के बाद जारी हालिया शोध पत्र में कहा कि नाइट्रस ऑक्साइड के उत्सर्जन में हुई भारी वृद्धि खेती-किसानी और पशुपालन गतिविधियों के चलते हुई। लेकिन उतना ही सच यह भी है कि अज्ञानतावश ही इसे रोकने या कम करने कोशिशें नहीं हुईं। जिस तेजी से सिंथेटिक उर्वरकों और पशुपालन में नाइट्रस ऑक्साइड का उपयोग बढ़ा, दबे पांव उतना ही इसने वायुमण्डल को जबरदस्त नुकसान पहुंचाया। स्टैनफोर्ड के वैज्ञानिक शोधों से सामने आया कि नाइट्रस ऑक्साइड इतना शक्तिशाली है कि एक पाउंड गैस 114 साल तक एक पाउंड कार्बन की तुलना में वातावरण को लगभग 300 गुना अधिक गर्म करती है। कहीं बेकाबू से बढ़ते तापमान के पीछे यही तो नहीं? वायुमंडल में इतने लंबे समय तक उपस्थिति और इसकी घातकता को समझ पाने में देरी तो हुई। नाइट्रस ऑक्साइड निश्चित रूप से समताप मंडल की ओजोन परत को नष्ट करने के साथ पृथ्वी को अधिक सौर विकिरण के संपर्क में लाकर नुकसान पहुंचाता है। जिससे फसल, मानव व अन्य जीव-जन्तुओं के स्वास्थ्य को गंभीर चुनौती पहुंचती है। इसके उत्सर्जन का लगभग 60 प्रतिशत प्राकृतिक तो 40 प्रतिशत मानवीय गतिविधियों से होता है। वैज्ञानिक अध्ययनों से इतना तो साफ हो गया है कि सन् 2020 के पहले के चार दशकों में ही इस गैस का उत्सर्जन 40 फीसदी बढ़ चुका था और दुनिया बेखबर थी! अब स्थिति यह हो गई कि दो साल पहले यानी 2022 तक वातावरण में नाइट्रस ऑक्साइड की मात्रा उस स्थिति पर पहुंच गई, जो कथित औद्योगिक क्रांति के पहले के स्तर से 25 प्रतिशत ज्यादा है। अत्यधिक चिंता यह कि दुनिया में ऐसी तकनीक भी नहीं जिससे वातावरण से इसे हटाया या समाप्त किया जा सके। साल 1980 से 2020 के बीच नाइट्रस ऑक्साइड उत्सर्जन में 67 प्रतिशत की रिकॉर्ड वृद्धि दर्ज हुई। इसका कारण नाइट्रोजन आधारित खाद और जानवरों से निकलने वाले अपशिष्ट रहे। इसका खुलासा 58 अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों के अध्ययन पर आधारित रिपोर्ट 'ग्लोबल नाइट्रस ऑक्साइड बजट' में भी है।

अब जलवायु परिवर्तन और बढ़ते तापमान की चर्चाओं में नाइट्रोजन प्रदूषक भी अहम है। वायुमण्डल में इसकी मात्रा कहां, क्यों और कैसे बढ़ रही है यह विश्वव्यापी चिंता है। लेकिन जब चर्चा होगी तभी समाधान निकलेगा। एक वैश्विक रिपोर्ट बताती है कि साल 2011 से 2020 के दस साल में मानवीय गतिविधियों से निकली नाइट्रस ऑक्साइड कुल उत्सर्जन का तीन चौथाई थी। वहीं इसके बाद जीवाश्म ईंधन, कूड़ा, गंदा पानी और बायोमास जलाने जैसे स्रोत भी अथाह वृद्धि के कारण हैं।

जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र का अंतर-सरकारी पैनल यानी आईपीसीसी का अनुमान है कि कुल ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन का 6.4 फीसदी नाइट्रस ऑक्साइड है जो आने वाले सालों में और बढ़ेगा। यदि इस शताब्दी के अंत तक पृथ्वी के तापमान को औसतन 2 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा बढ़ने से रोकना है तो 2050 तक इस गैस के उत्सर्जन में 20 फीसदी की गिरावट करनी ही होगी। विडंबना देखिए नाइट्रस ऑक्साइड को सामान्यतः हंसी की गैस के रूप में जानते हैं। यह उत्साह की भावना पैदा करने वाली गैस कहलाती है। किसने सोचा था कि यह इतनी घातक भी होगी? बहरहाल, देर आयद दुरुस्त आयद की तर्ज पर तुरंत ही सक्रिय होना होगा।

> सिंथेटिक उर्वरकों के उपयोग, अपशिष्ट जल के निर्वहन और जीवाश्म ईंधन के दहन से बढ़ता नाइट्रोजन का प्रभाव एक बड़ा खतरा है। यह भूमि, जल और वायु को प्रदूषित कर जलवायु परिवर्तन को बढ़ावा देता है और ओजोन परत को भी नुकसान पहुंचाता है। दरअसल, इस सच्चाई तक पहुंचने में साक्ष्य, प्रमाण और वास्तविकताओं से तालमेल बिठाने में लंबा समय लगा। अब खेती-किसानी से लेकर पशुपालन में इसके भरपूर उपयोग को जलवायु परिवर्तन का उतना ही दोषी माना जा रहा है जितना मानव जनित कॉर्बन डाइऑक्साइड और मीथेन को।

दृष्टि कोण

चीन पर बढ़ती निर्भरता के जोखिम हैं... भारत को गुण-दोष की जांच परख कर ही व्यापार करना चाहिए

चीन के साथ भारत के बढ़ते कुल व्यापार घाटे ने नई दिल्ली के सत्ता के गलियारों में चिंता पैदा कर दी है। पिछले कुछ वर्षों में चीन वैश्विक आपूर्ति शृंखला के प्रमुख केंद्र के रूप में उभरा है, जिसके पास औद्योगिक वस्तुओं के व्यापार को नियंत्रित करने की क्षमता है। वैश्विक व्यापार में चीन की प्रमुख भूमिका अप्रभावित प्रतीत होती है। हालांकि कई देश अपने आयात के लिए चीन पर अत्यधिक निर्भरता से सहज नहीं हैं, फिर भी चीन ज्यादातर देशों का प्रमुख व्यापार साझेदार बना हुआ है। भारत भी इसका अपवाद नहीं है। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) द्वारा भारत के विदेश व्यापार की नवीनतम छमाही समीक्षा, 2024 विश्व व्यापार में चीन की प्रमुख स्थिति की पुष्टि करती है। रिपोर्ट में बताया गया है कि 2024 की पहली छमाही के दौरान भारत ने चीन को 8.5 अरब डॉलर का निर्यात किया, जबकि 50.4 अरब डॉलर का सामान आयात किया, जिसके परिणामस्वरूप 41.9 अरब डॉलर का व्यापार घाटा हुआ। भारत के सबसे बड़े व्यापार घाटे वाले साझेदार के रूप में चीन के उदय ने यह सोचने के लिए मजबूर कर दिया है कि चीन के साथ व्यापार में असंतुलन अब सिर्फ आर्थिक मुद्दा नहीं रह गया है, बल्कि यह देश की सुरक्षा और भावी पीढ़ियों की समृद्धि के लिए एक गंभीर खतरा बन गया है। चीन से होने वाले लागत-प्रतिस्पर्धी आयात भारतीय एमएसएमई को नुकसान पहुंचा रहे हैं, क्योंकि आयातित उत्पादों में से कई इन स्थानीय व्यवसायों द्वारा बनाए जाते हैं। भारतीय एमएसएमई सस्ते चीनी उत्पादों से प्रतिस्पर्धा करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। यह प्रतिस्पर्धा न केवल उनकी लाभप्रदता को कम कर रही है, बल्कि उनके अस्तित्व को भी खतरे में डाल रही है, जिससे नौकरियां खत्म हो रही हैं और आर्थिक विकास अवरुद्ध हो रहा है। महत्वपूर्ण औद्योगिक वस्तुओं और प्राकृतिक संसाधनों के लिए आयात पर भारी निर्भरता रणनीतिक दखल की जरूरत को उजागर करती है। घरेलू निर्माताओं के लिए समान अवसर उपलब्ध कराने और व्यापार असंतुलन को कुछ हद तक कम करने के लिए भारत ने 2016 से 500 से अधिक वस्तुओं पर आयात शुल्क बढ़ा दिया है। हालांकि, ये उपाय चीनी वस्तुओं पर निर्भरता कम करने में अप्रभावी रहे हैं, क्योंकि ऐसे कई कदमों का उद्योग और अन्य सरकारी मंत्रालयों और विभागों ने विरोध भी किया है। हाल ही में, कई सरकारी मंत्रालयों/विभागों ने चीन से आयात पर लक्षित सीमा शुल्क में वृद्धि पर आपत्ति जताई है। उनका तर्क है कि चूंकि चीन से आयात घरेलू उद्योग में उपयोग किया जाता है, इसलिए टैरिफ बढ़ाकर आयात में बाधा डालने से भारतीय विनिर्माण की प्रतिस्पर्धा क्षमता में कमी आएगी। यहां तक कि उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना, जिसका उद्देश्य आयात निर्भरता को कम करना है, में भी चीन की महत्वपूर्ण उपस्थिति होगी, क्योंकि इस योजना के 12 विजेताओं में से 11 के आपूर्ति शृंखला साझेदार और सेवा प्रदाता चीनी हैं। सरकार और उद्योग के बीच वैचारिक मतभेद समस्या का केवल एक पहलू है। कई भारतीय निर्माता, जो लंबे समय से चीन से सस्ते सामान का आयात करते हैं, उच्च टैरिफ का विरोध करते हैं। एक ताकतवर आयात लॉबी है, जो चीनी वस्तुओं पर किसी भी प्रतिबंध का विरोध करती है। जबकि भारतीय उद्योग का एक दूसरा वर्ग टैरिफ बढ़ाने की बात करके संरक्षणवाद की वकालत करता है। इसलिए भारत को बड़े पैमाने पर चीन की तरह विनिर्माण को समन्वित और व्यवस्थित करने की जरूरत है। भारत इस मुद्दे को केवल उद्योग जगत पर छोड़ने का जोखिम नहीं उठा सकता। आर्थिक संप्रभुता की रक्षा और सतत विकास को बढ़ावा देने के लिए घरेलू उत्पादन को मजबूत करना महत्वपूर्ण है। भारत ने अन्य देशों की तरह एक ही देश पर निर्भरता के जोखिम को महसूस किया और ज्यादा से ज्यादा मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) पर हस्ताक्षर करके चीन से अलग हो रहा है। भारत सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रिक वाहनों जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में घरेलू विनिर्माण क्षमताओं को भी प्रोत्साहित कर रहा है।

कुछ अलग

खाली पड़े पहाड़ों की पुकार

लेखिका अपने पुराने दिनों को याद करते हुए कहती हैं कि एक समय था जब वह और उनका पूरा परिवार हर साल अपने गांव, टिहरी गढ़वाल जाया करती थी। शहर की चकाचौंध से दूर, गांव की सरल जिन्दगी उन्हें बहुत आनंद देती थी। लेकिन अब ऐसा कुछ देखने को नहीं मिलता। गांव में सुविधाओं की कमी, पहाड़ियों को मजबूर कर रही हैं कि वे अपने घरों को छोड़कर शहरों की तरफ जाएं। लेखिका कहती हैं कि उन्होंने खुद उच्च शिक्षा के लिए अपनी मिट्टी छोड़ी। बड़े सपने देखने की ख्वाहिश एक पहाड़ी की नहीं होती, बल्कि कम चीजों में भी गुजारा करना ही एक पहाड़ी की पहचान है। ये बातें वह आज समझती हैं। लेखिका आगे कहती हैं कि उनके राज्य में 80% से ज्यादा लोग ग्रामीण पहाड़ी क्षेत्रों के निवासी हैं। उत्तराखंड बनने के बाद से ही बाह्य-प्रवासन देखने को मिला है। सच्चाई यह है कि 2001 से 2011 के बीच, ग्रामीण जनसंख्या में 7% की कमी आई, जबकि शहरी जनसंख्या लगभग 35% बढ़ गई, जो राज्य की औसत वृद्धि दर का दोगुना है। यह बाह्य-प्रवासन निम्नलिखित कारणों से हो रहा है: बुनियादी सुविधाओं, जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य केंद्र और नौकरियों की कमी। और एक और कारण उत्तराखंड में होने वाली प्राकृतिक आपदाएं भी हैं, जैसे भूकंप, भूस्खलन, और बादल फटने की घटनाएं। लेखिका आगे कहती हैं कि ऐसा नहीं है कि सरकार द्वारा कदम नहीं उठाए गए हैं। सरकार ने कई स्कूल, कॉलेज, अस्पताल खोले और कुछ रोजगार की योजनाएं भी लाई, पर पहाड़ी निवासियों की जनसंख्या के अनुसार वे कम थे। प्राथमिक स्कूल खुलने के बाद माध्यमिक स्कूलों का न होना अक्सर गांव के बच्चों को या तो शहरों की ओर, या फिर अपने राज्य से बाहर प्रवास करने के लिए मजबूर करता है। यही स्थिति कॉलेजों और विश्वविद्यालयों के मामलों में भी देखने को मिलती है। अस्पताल प्राथमिक स्तर के हैं, पर माध्यमिक नहीं हैं। और रोजगार के साधन पर्याप्त मात्रा में उत्तराखंड में नहीं बनाए जा सके हैं। लेखिका इस बात पर गर्व भी करती हैं कि पहाड़ में एक इंसान अपने परिवार का पालन-पोषण करने के लिए सुबह से शाम तक सड़कों के किनारे खड़े होकर सामान बेचने से लेकर, ढाबे में चाय तक बनाने का काम करता है। अब हमारे पहाड़ों में अक्सर परिवारों के लोग होटल लाइन में काम करते हुए मिलना एक आम बात है। लेखिका आगे कहती हैं कि यदि पहाड़ों में पढ़ाई की सुविधा बेहतर हो जाए, तो नौकरियों की दर बढ़ जाएगी, पर दूसरी ही सांस में वह यह भी कहती हैं कि क्या उत्तराखंड पढ़े-लिखे लोगों को उनकी पसंद की नौकरी दे पाएगा? पहाड़ों से पलायन को रोकने के लिए कोशिशें होनी चाहिए कि छोटे से छोटे रोजगार के साधनों को बढ़ावा दिया जाए। लोगों के विचारों को सुना जाना चाहिए, और यदि सरकार कर सके, तो हर 3 महीने में ऐसे कार्यक्रम टीवी, एफएम रेडियो, फेसबुक और ट्विटर के माध्यम से जारी किए जाएं, जहां आम लोगों की बातें सुनी जाएं। स्कूल-कॉलेजों में एक विषय अनिवार्य रूप से शामिल किया जाए, जिसमें उन्हें यह सिखाया जाए कि हम अपने पहाड़ में रोजगार कैसे ला सकते हैं? आज बड़ी संख्या में युवा देहरादून, दिल्ली, चंडीगढ़ जैसे स्थानों पर पलायन कर रहे हैं और अच्छी नौकरी मिलने के बाद वहीं बस जाते हैं। शहरों में होने वाले रोजमर्रा के खर्चे, किराए के कमरे न जाने कितने युवाओं के परिजनों को 10 गुना मेहनत करके पैसे भेजने के लिए मजबूर करते हैं। लेखिका उत्तराखंड सरकार द्वारा फ्री बस और यात्रा पास की सुविधा की सराहना करती हैं।

देश दुनीया से

महापुरुषों को राजनीतिक नफे-नुकसान का जरिया न बनाएं

जैन समुदाय का पर्यूषण पर्व चल रहा है। इस पर्व का एक महत्वपूर्ण हिस्सा एक-दूसरे से क्षमा मांगने का भी है –मिच्छामि दुक्कड़म। इन दो शब्दों में जीवन का एक बहुत बड़ा पाठ— जाने-अनजाने में हुई किसी भी भूल या अपराध के लिए एक-दूसरे से क्षमा मांग कर नये सिरे से रिश्तों को संवारना, उन्हें बनाये रखना— छिपा है। आसान नहीं होता क्षमा मांगना। भीतर के अहं का विसर्जन करना होता है पहले। और क्षमा करना भी कम मुश्किल नहीं होता। लेकिन क्षमा मांग कर और क्षमा करके मानवीय रिश्तों को एक नया विस्तार मिलता है। कुछ क्षण के लिए ही सही, हमारे भीतर का मनुष्य जगता तो है। आवश्यकता इस 'मनुष्य' को जगाये रखने की है। क्षमा पर्व की यह बात हमारी राजनीति के तौर-तरीके के संदर्भ में भी याद रखी जानी चाहिए। हाल ही में महाराष्ट्र के मालवण क्षेत्र में छत्रपति शिवाजी महाराज की एक विशाल मूर्ति के ढह जाने से राज्य की राजनीति में आये तूफान ने विपक्ष को जैसे एक जोरदार मुद्दा दे दिया है। पैंतीस फुट ऊंची इस विशालकाय मूर्ति का आठ-नौ महीने पहले ही स्वयं प्रधानमंत्री ने अनावरण किया था। महाराष्ट्र में शिवाजी महाराज एक इतिहास-पुरुष ही नहीं, देवत्व के स्तर का आराध्य माने जाते हैं। उनकी मूर्ति के अनावरण के लिए स्वयं प्रधानमंत्री के आने के भी राजनीतिक निहितार्थ हैं। इसलिए, इस बात पर भी आश्चर्य नहीं किया जाना चाहिए कि उस मूर्ति के इस तरह भरभराकर गिर जाने को विपक्ष ने राजनीतिक लाभ उठाने का एक अवसर बना लिया है। महाराष्ट्र की राजनीति को देखते हुए यह घटना कम महत्वपूर्ण नहीं है। सत्तारूढ़ पक्ष अच्छी तरह समझता है कि यह उसके लिए बचाव का क्षण है। इसलिए सत्तारूढ़ पक्ष के तीनों घटकों ने इस प्रकरण के लिए क्षमा मांगने में देरी नहीं लगायी। इस प्रकरण का एक महत्वपूर्ण पहलू स्वयं प्रधानमंत्री का इसके लिए क्षमा मांगना भी है। एक कार्यक्रम के लिए राज्य में आये प्रधानमंत्री ने 'मेरे और मेरे साथियों के आराध्य छत्रपति शिवाजी महाराज' से सार्वजनिक रूप से क्षमा मांगना ज़रूरी समझा। शिवाजी महाराज के लिए आदर-भाव होना ही चाहिए, और जिस तरह वह मूर्ति ढही है उसके लिए दोषियों को सज़ा भी मिलनी चाहिए। लेकिन जिस तरह से इस प्रकरण को राजनीति का एक हथियार बनाया जा रहा है, उससे कुछ सवाल तो उठते ही हैं। उठ भी रहे हैं। शायद इसीलिए प्रधानमंत्री का क्षमा मांगने का लहजा सवालों के घेरे में है। कहा जा रहा है कि क्षमा के साथ विनय का सीधा रिश्ता है। बिना विनयी हुए क्षमा मांगना एक दिखावे के रूप में ही देखा जाता है। जिस तरह विपक्ष ने इस प्रकरण को राजनीतिक लाभ उठाने का अवसर बनाया, उसी तरह महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ पक्ष भी राजनीतिक नुकसान कम करने का प्रयास कर रहा है। प्रधानमंत्री द्वारा क्षमा मांगना इस कोशिश का एक हिस्सा माना जा सकता है। सवाल उठता है, क्षमा मांगी किससे जा रही है? राजनीति करने वाले मूर्ति के इस तरह ढहने के लिए शिवाजी महाराज से क्षमा मांग रहे हैं। इस तरह क्षमा मांगने में कुछ ग़लत नहीं है, लेकिन यह अपमान छत्रपति शिवाजी महाराज का नहीं है, अपमान महाराष्ट्र की जनता का हुआ है, जिसके लिए शिवाजी देवता हैं। जनता एक विश्वास के साथ किसी पक्ष को सत्ता सौंपती है, निश्चित रूप से इस मूर्ति की स्थापना में कहीं कुछ खोट रहा है। इस खोट के अपराधियों को सज़ा मिलनी ही चाहिए। मूर्ति की स्थापना से जुड़ा वह हर पक्ष अपराधी है, जो इस प्रक्रिया से किसी भी रूप से जुड़ा था– फिर चाहे वह राजनीतिक पक्ष हो, राजनेता हो, अधिकारी हो, या शिल्पी। बहरहाल, शिवाजी महाराज जैसी विभूति राजनीतिक नफे-नुकसान का माध्यम नहीं बनायी जानी चाहिए। उनकी मूर्ति का लगाया जाना भी उनमें राज्य की जनता की आस्था का प्रतीक है, और मूर्ति का ढहना भी जनता के संतप्त होने का कारण। इसलिए, क्षमा इस देश की जनता से मांगी जानी चाहिए। अपमान उस विश्वास का हुआ है जो जनता अपने नेताओं, अधिकारियों, शिल्पियों आदि में रखती है। जनतंत्र में सत्ता जनता के हाथ में होती है। जनता ही इस तंत्र को चलाने के लिए कुछ लोगों को चुनती है। इन चुने हुए लोगों से अपेक्षा की जाती है कि वे पूरी ईमानदारी और निष्ठा के साथ जनता के विश्वास की रक्षा करेंगे। स्पष्ट है, सिंधुदुर्ग में लगायी गयी इस प्रतिमा के संदर्भ में यह अपेक्षा पूरी नहीं हुई। कोई बड़ी चूक हुई है इस सारे प्रकरण में। क्षमा उस चूक के लिए मांगी जानी चाहिए। प्रकरण से जुड़े हर पक्ष को पूरी विनम्रता के साथ क्षमा मांगनी होगी। सच तो यह है कि बिना विनम्रता के क्षमा मांगने का कोई अर्थ ही नहीं है। विनम्रता का अभाव, दुर्भाग्य से, हमारी राजनीति की एक पहचान बन गया है। हर नेता, जिसके पास किसी भी प्रकार की सत्ता होती है, अपने आप को शासक मान कर बैठा है– जबकि होना उसे जनता का सेवक चाहिए।

> क्षमा पर्व की यह बात हमारी राजनीति के तौर-तरीके के संदर्भ में भी याद रखी जानी चाहिए। हाल ही में महाराष्ट्र के मालवण क्षेत्र में छत्रपति शिवाजी महाराज की एक विशाल मूर्ति के ढह जाने से राज्य की राजनीति में आये तूफान ने विपक्ष को जैसे एक जोरदार मुद्दा दे दिया है। पैंतीस फुट ऊंची इस विशालकाय मूर्ति का आठ-नौ महीने पहले ही स्वयं प्रधानमंत्री ने अनावरण किया था। महाराष्ट्र में शिवाजी महाराज एक इतिहास-पुरुष ही नहीं, देवत्व के स्तर का आराध्य माने जाते हैं। उनकी मूर्ति के अनावरण के लिए स्वयं प्रधानमंत्री के आने के भी राजनीतिक निहितार्थ हैं। इसलिए, इस बात पर भी आश्चर्य नहीं किया जाना चाहिए कि उस मूर्ति के इस तरह भरभराकर गिर जाने को विपक्ष ने राजनीतिक लाभ उठाने का एक अवसर बना लिया है।

आप का नजरीया

विश्व सिनेमा की जादुई दुनिया

हाल मोर (Hal Mohr) सिनेमा के जन्म के आस-पास जन्मा था। उसका जन्म 2 अगस्त 1894 को सेन फ्रांसिस्को के मध्य वर्गीय परिवार में हुआ था। इस विशिष्ट शुरुआती दौर के सिनेमाटोग्राफर ने छः दशक तक मोशन पिक्चर में काम किया और 1912 से उसके काम का लेखा-जोखा प्राप्त होता है। यह जानना रोचक है कि इसने अपना कैमरा खुद बनाया, कैसे बनाया इसकी भी कहानी है। कैमरा तब बनाया जब वह स्कूल में था और उसी समय से स्थानीय रुचिकर चीजों की फोटोग्राफी करने लगा। इतना ही नहीं, वह फोटो खुद डेवलप करता और खुद उन्हें प्रिंट करता। मोर ने अपने खींचे-डेवलप और प्रिंट किए फोटो न्यूयॉर्क हेराल्ड-ट्रिब्यून को भेजे और वे इतने अच्छे माने गए कि हॉलीवुड ने उसे आमंत्रण दिया। इस तरह अपनी लगन, परिश्रम और मेधा से वह हॉलीवुड पहुंच गया। वहां शुरू में उसने फ्रीलान्सिंग की फिर उसे सोल लेसेर कम्पनी की जनरल फिल्म्स ने अपने यहां न्यूजरील शूट करने के लिए रख लिया। 1915 में मोर ने हॉलीवुड में काम प्रारंभ किया, पहले यूनिवर्सल में फिल्म कटर और धीरे-धीरे असिस्टेंट फोटोग्राफार बन गया। प्रथम महायुद्ध के समय उसने अमेरिकन सेना के लिए काम किया। बाद में डॉक्यूमेंट्री बनने लगा। 1921 में वह फोटोग्राफी डॉयरेक्टर के पद पर पहुंचा। इस बीच एक साल पेरिस में यूरोपियन फिल्म मेकिंग तकनीक भी सीखी। उसने पॉल लेनी, माइकेल कर्टिज आदि निर्देशकों के साथ काम किया। बूम तथा डॉली शॉट्स का भी एक तरह से उसने अन्वेषण किया। 'द जाज सिंगर', 'बुलेट्स ओर बैलेट्स', 'द ग्रीन पैस्चर्स', 'कैप्टन ब्लड', 'ए मिडसमर नाइट्स ड्रीम', 'फैंथम ऑफ दि ऑपेरा', 'अनदर पार्ट ऑफ द फोरेस्ट', 'रैंचो नोटोरियस', 'द मैन फ्रॉम द डिनर'स क्लब', 'द लास्ट वोयज' 'द गन अर्नर्स' आदि उसकी फिल्माई कुछ फिल्में हैं। वह अमेरिकन सोसायटी ऑफ सिनेमाटोग्राफर्स का प्रेसीडेंट (1930-31, 1963-65 तथा 1969-70) रहा। लियोनार्ड मल्टिन ने उसका एक बहुत लंबा साक्षात्कार लिया जो 'दि आर्ट ऑफ द सिनेमाटोग्राफरः ए सर्वे एंड इंटरव्यूज विद फाइव मास्टर्स' में संकलित है। 10 मई 1974 को उसकी मृत्यु हुई। उसे 'ए मिडसमर नाइट्स ड्रीम' तथा 'फैंथम ऑफ दि ऑपेरा' केलिए अकादमी पुरस्कार मिला। स्वयं उसके अनुसार सैन फ्रांसिस्को के भूकंप तथा आग लगने के समय वह मात्र 11 साल का था। उन दिनों चलचित्र बहुत विरल होते थे और उस समय तक उसने कोई फिल्म नहीं देखी थी। मगर इस दुर्घटना के बाद सारे शहर में यह नया चलचित्र दिखने लगा। यह होने लगा पहले के स्टोर अथवा बेसमेंट में या फिर जल गई इमारतों में। उसने पहली पिक्चर जहां देखी वहां ट्रेन आने और पार होने वाली फिल्म दिखाई जा रही थी। बस इतना ही था। मगर मोर इसके सम्मोहन की गिरफ्त में आ गया। बस वह यही चाहता था। वह जानना चाहता था कैसे ट्रेन आती है और दर्शकों से गुजर जाती है और कोई मरता नहीं है। उसने हाई स्कूल समाप्त नहीं किया, उसे मूवी थियेटर में आने वाली फिल्म के देखभाल का काम मिल गया।

दसलक्षण महामहोत्सव पर तीर्थंकर महावीर विश्वविद्यालय कैंपस में बहेगी आस्था की बयार

- 22 सितंबर को भव्य रथयात्रा महोत्सव के साथ होगा दसलक्षण महावर्प का समापन
- कर्मयोगी क्षुल्लकरत्न 105 श्री समर्पणसागर जी रथयात्रा महोत्सव में होंगे शामिल

मुरादाबाद, (हि.स.)। तीर्थंकर महावीर यूनिवर्सिटी मुरादाबाद में जिनालय से लेकर ऋद्धि-सिद्धि भवन तक पर्वाधिराज दसलक्षण महामहोत्सव द्वारा आस्था की बयार बहेगी। आगामी दस दिन तक दसलक्षण महापर्व में तीन दिन अति महत्वपूर्ण हैं। भगवान पुष्पदंत मोक्ष कऊईउल्याणक महोत्सव विधि-विधानमारया से 11 सितंबर को होगा, श्री जिनवाणी विधान 15 सितबंर को, 17 सितंबर को अनन्त चौदस पर भगवान वासुपूज्य मोक्ष कल्याणक महोत्सव कार्यक्रम होगा। ये सभी कार्यक्रम शिखर जी से आए प्रतिष्ठाचार्य ऋषभ जैन शास्त्री के सानिध्य में होंगे। भोपाल से सिद्धार्थ जैन एंड पार्टी अपनी भक्तिमय सुर और साज में आस्था के सागर में डुबकी लगवाएंगे। दसलक्षण महामहोत्सव के अगले दिन 18 सितंबर को कुलाधिपति आवास-संवृद्धि में श्रावक/श्राविकाओं का पारणा होगा।

टीएमयू कैंपस में बड़ी धूमधाम से भव्य रथयात्रा महोत्सव 22 सितंबर को निकलेगी, जिसमें कर्मयोगी क्षुल्लकरत्न 105 श्री समर्पणसागर जी महाराज की गरिमामयी मौजूदगी रहेगी। विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी श्याम सुंदर भाटिया ने बताया कि मुरादाबाद मंडल के अलावा आसपास जिलों से जैन समाज के प्रतिनिधि भी शामिल होंगे। उल्लेखनीय है, ऋद्धि-सिद्धि भवन में प्रतिदिन शाम को 6:30 बजे से साढ़े 7:30 बजे तक आरती हुआ करेगी, जबकि टीएमयू के ऑडिटोरियम के मंच पर देर शाम 7:30 बजे से रात 8:15 बजे तक प्रवचन हुआ करेंगे। 8:15 बजे से कॉलेज वार सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति होगी। कार्यक्रम में टीएमयू कुलाधिपति सुरेश जैन, बीना जैन, ग्रुप वाइस चेयरमैन मनीष जैन, ऋचा जैन, एग्जिक्यूटिव डायरेक्टर अक्षत जैन, जहान्वी जैन, मेंबर ऑफ गवर्निंग बॉडीएऔफायव औशम नंदिनी जैन के संग-संग फैकल्टीज औऱ सैकड़ों श्रावक और श्राविकाएं मौजूद रहेंगे।

जनता की समस्याओं का कराएं त्वरित और निष्पक्ष निस्तारण: योगी आदित्यनाथ

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे जनता की समस्याओं का पारदर्शी और निष्पक्ष निस्तारण सुनिश्चित कराएं। जनता की हर समस्या को संवेदनशीलता से लिया जाना चाहिए और उसके समाधान के लिए त्वरित प्रभावी कार्यवाही की जानी चाहिए। यह ध्यान रहे कि किसी के भी साथ अन्याय न होने पाए। जन समस्याओं के निस्तारण में किसी भी स्तर पर लापरवाही मिली तो संबंधित जिम्मेदार के खिलाफ सख्त कार्रवाई तय है। सीएम योगी ने ये निर्देश रविवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में आए लोगों की समस्याएं सुनने के दौरान दिए। मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन सभागार में मुख्यमंत्री ने करीब 400 लोगों से मुलाकात की। कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक खुद पहुंचे और समस्या सुनते हुए उनके प्रार्थना पत्र लिए। ध्यान से उनकी बात सुनने के बाद पास में खड़े अधिकारियों को समस्या समाधान हेतु आवश्यक दिशानिर्देश दिए। उन्होंने समस्या लोगों से कहा कि चिंता मत करिए, सबकी समस्या दूर करने के लिए सरकार संकल्पित है। हर पीड़ित व्यक्ति की शिकायत पर सुनिश्चित कार्रवाई करते हुए समस्या का समाधान कराया जाएगा। जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने अलग-अलग मामलों से जुड़े समस्याओं के निस्तारण के लिए संबंधित प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों को प्रार्थना पत्र संदर्भित कर निर्देशित किया कि सभी समस्याओं का निस्तारण समयबद्ध, निष्पक्ष और सन्तुष्टिपरक होना चाहिए। अपराध से संबंधी शिकायतों पर मुख्यमंत्री ने पुलिस अधिकारियों को अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही करने का निर्देश दिया। उन्होंने अधिकारियों को दो निर्देशित किया कि किसी की जमीन पर अवैध कब्जा करने वाले, कमजोरों को उजाड़ने वाले बख्शे न जाएं। उनके खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए।

धन के अभाव में नहीं रुकेगा किसी का इलाज - जनता दर्शन में गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए आर्थिक मदद की गुहार लेकर आए लोगों को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भरपूर मदद देने का भरोसा दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि धन के अभाव में किसी का इलाज नहीं रुकेगा। उन्होंने निर्देश दिया कि जो भी जरूरतमंद हैं, प्रशासन उनके उच्च स्तरीय इलाज का इस्टीमेट शीघ्रता से बनवाकर उपलब्ध कराए। इस्टीमेट मिलते ही सरकार तुरंत धन उपलब्ध कराएगी।

मंदिर की गोशाला में सीएम ने की गोसेवा - गोरखनाथ मंदिर प्रवास के दौरान रविवार सुबह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की दिनचर्या परंपरागत रही। मंदिर में गुरु गोरखनाथ का दर्शन-पूजन करने, अपने गुरु ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की समाधि स्थल पर मत्था टेकने के बाद सीएम योगी गोशाला में पहुंचे और वहां कुछ समय व्यतीत किया। गोशाला में उन्होंने गोवंश को खूब दुलारा और अपने हाथों से उन्हें गुड़ खिलाया।

बाढ़ के बाद गंगाघाटों पर नमामि गंगे और नगर निगम ने शुरू किया स्वच्छता की मुहिम

वाराणसी, (हि.स.)। गंगा नदी में बाढ़ का पानी उतरने के बाद बदहाल घाटों की सूरत बदलने के लिए नमामि गंगे के स्वयंसेवकों के साथ नगर निगम के कर्मचारियों ने रविवार को दशाश्वमेध घाट पर वृहद स्वच्छता अभियान चलाया। अभियान के तहत घाट पर बिखरे व गंगा नदी में बहते पूजा सामग्री और बाढ़ के अवशिष्ट को बाहर निकाला गया। दशाश्वमेध घाट पर नमामि गंगे व नगर निगम की टीम ने एक टन से अधिक कचरा गंगा से बाहर निकाला। गंगा सफाई के इस अभियान में नगरवासी भी अपनी हिस्सेदारी निभा रहे हैं। गंगा तट और घाटों पर सफाई के साथ ही नमामि गंगे के वॉलंटियर लोगों को गंगा सफाई के लिए प्रेरित भी कर रहे हैं। काशी क्षेत्र के संयोजक राजेश शुक्ला ने बताया कि बाढ़ के बाद गंगा की तलहटी और सतही जल में कई तरह की चीजें आ जाती हैं जिनसे गंगाजल प्रदूषित होता है। साथ ही, उसे गंदा भी करती हैं। ऐसे ही नदी में बहती और तैरती चीजों की हम लोगों ने सफाई की है।

ताकि गंगा घाट से लेकर तलहटी तक स्वच्छता दिखे। उन्होंने कहा कि बनारस में पिछले दिनों आई बाढ़ के बाद सभी घाटों पर सिल्ट (गाद) का अंबार है। इस सिल्ट में कई सारी चीजें हैं जो गंगा को न सिर्फ मैला कर रही हैं, बल्कि यहां आने वाले पर्यटकों के लिए भी आफत बनी हुई है। ऐसे में गंगा घाटों पर फैली इन दुर्व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने के लिए नमामि गंगे और नगर निगम की टीम ने लगातार सफाई अभियान की मुहिम छेड़ रखी है। स्वच्छता अभियान में राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन नई दिल्ली के प्रतिनिधि अथर्वराज पांडेय विशेष रूप से उपस्थित रहे। स्वच्छता की मुहिम में नगर निगम सुपरवाइजर कामेश्वर सेठ, सफाई कर्मचारी उपस्थित रहे।

सरकारी खजाने से लाखों रुपये की धनराशि उड़ाने वाले एडीओ पंचायत निलंबित

बिजनौर, (हि.स.)। विकासखंड नजीबाबाद और हल्दौर से प्रशासनिक मद के खाते से लाखों रुपये उड़ाने वाले एडीओ पंचायत विवेक शर्मा को निदेशक पंचायती राज ने निलंबित कर दिया है। एडीओ ने नजीबाबाद और हल्दौर ब्लॉक के एकल प्रशासनिक खाते से लाखों रुपये उड़ाए थे। निदेश-ाक पंचायतीराज अटल कुमार राय ने जांच के बाद नजीबाबाद ब्लॉक में कार्यरत रहे एडीओ पंचायत विवेक शर्मा को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। एडीओ ने नजीबाबाद ब्लॉक के प्रशासनिक मद खाते से लाखों की धनराशि 15 दिसंबर 2023 से 10 जून 2024 के मध्य कई बार में एकल हस्ताक्षर से निकाली थी। नजीबाबाद से स्थानांतरण के बाद भी एडीओ द्वारा सरकारी खाते से धनराशि निकाली गई। इसके बाद जांच प्रक्रिया में हल्दौर विकासखंड से भी लाखों रुपये सरकारी खाते से उड़ाने का मामला प्रकाश में आया। आरोप है कि एडीओ पंचायत विवेक शर्मा ने नजीबाबाद ब्लॉक के प्रशासनिक मद खाते से पांच लाख रुपये और विकास खंड हल्दौर के प्रशासनिक खाते से करीब 4.22 लाख रुपये की धनराशि एकल हस्ताक्षर से निकाली थी।

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के सदस्यता रथ को धर्मपाल सिंह ने झण्डा दिखाकर किया रवाना

लखनऊ, (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह ने रविवार को प्रदेश मुख्यालय से अल्पसंख्यक मोर्चा के सदस्यता रथ को पार्टी का झण्डा दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर भाजपा के प्रदेश महामंत्री गोविन्द नारायण शुक्ल, क्षेत्रीय अध्यक्ष कमलेश मिश्रा व अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष कुंवर बासित अली सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे। भाजपा के प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल ने कहा कि सदस्यता अभियान के दौरान 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके नव मतदाताओं सहित समाज के प्रतिष्ठित व्यक्तियों को भी पार्टी का सदस्य बनाना है। सदस्यता अभियान के दौरान हमें हर घर हर वर्ग तक प्रदेश व केन्द्र सरकार की योजनाओं की जानकारी देना है। अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष कुंवर बासित अली ने बताया कि सदस्यता रथ के माध्यम से अल्पसंख्यक मोर्चा भाजपा की विचारधारा और नीतियों से लोगों को जोड़ते हुए उन्हें पार्टी का सदस्य बनायेगी।

सड़क हादसे में दो की मौत व पांच घायल

हजारीबाग, (हि.स.)। हजारीबाग-गया मार्ग पर रविवार को चौपारण की दनुआ घाटी में एक-एक कर पांच गाड़ियों की भीषण भिड़ंत में दो लोगों की मौत हो गई। दुर्घटना में छह लोग घायल हुए हैं। पुलिस ने घायलों को भर्ती कराया है। पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है। जानकारी के मुताबिक एक अनियंत्रित ट्रक ने टेंपो को टक्कर मारी। इसके बाद टेंपो एक खाई में जा गिरी। इसी दौरान ट्रक के पीछे से आ रही एक स्विफ्ट कार भी हादसे की चपेट में आ गई। यह की ट्रक से टकरा गई। तभी पीछे से आ रही एक दूसरे ट्रक ने कार को टक्कर मारा। इसके अलावा एक मिनी ट्रक भी इन वाहनों से टकरा गया। इस तरह एक-एक कार पांच गाड़ियां हादसे की शिकार हुईं। ट्रक की टक्कर के बाद टेंपो 40 फुट गहरी खाई में गिर गया। टेंपो में सवार लोग धर्मसभा में शामिल होने चतरा जिले के तुलबुल करमा से शोभ बाराचट्टी बिहार जा रहे थे। टेंपो पर सवार सात लोगों में से दो लोगों की मौत हो गई। वहीं तीन लोगों की हालत गंभीर है। वहीं हादसे की शिकार हुई कार में चार लोग सवार थे।

वो हजारीबाग से वापस डोभी बिहार लौट रहे थे। हादसे में कार चालक घायल हो गया। वहीं अन्य तीन को मामूली चोटें आईं हैं। घायलों को अनुमंडल अस्पताल में इलाज के लिए भेजा गया है। जानकारी के मुताबिक, इस हादसे में तीन लोगों की हालत गंभीर है।

जिलों के सरकारी विद्यालयों के राज्यस्तरीय अनुश्रवण के लिए टीम गठित

जीरो ड्रॉपआउट को लेकर पूर्व में निर्गत दिशा-निदेर्शों की भी होगी समीक्षा

रांची, (हि.स.)। झारखंड राज्य के 1,159 उच्चतर माध्यमिक विद्यालय (+2) तथा 1,703 माध्यमिक विद्यालयों के सतत अनुश्रवण के लिए राज्यस्तरीय टीम का गठन कर दिया गया है। टीम को सितंबर-अक्टूबर माह में राज्य के सरकारी विद्यालयों का औचक निरिक्षण कर विद्यालयों में प्रोजेक्ट रेल, प्रोजेक्ट इम्पैक्ट, एनईपी, प्रयास, बाल अधिकार, विद्यालय अंतर विश्लेषण, ट्रांजिशन समेत अन्य महत्वपूर्ण विषयों के अद्यतन स्थिति का स्थानीय अनुश्रवण करना होगा। इन विद्यालयों में गुणात्मक सुधार में उत्तरोत्तर वृद्धि के लिए राज्य द्वारा प्रयास किया जायेगा। साथ ही बेहतर विद्यालयों को सम्मानित भी किया जायेगा। अनुश्रवण के दौरान सभी जिला शिक्षा पदाधिकारियों, जिला शिक्षा अधीक्ष-ाकों, जिला परियोजना कर्मियों को राज्यस्तरीय टीम के साथ समन्वय स्थापित करते हुए जिले के अनुश्रवण में सहयोग देना होगा। अनुश्रवण के दौरान राज्यस्तरीय टीम द्वारा पूर्व में जीरो ड्राप आउट को लेकर दिए गए दिशा-निदेर्शों के अनुरूप की गयी का-र्रवाई की भी समीक्षा की जाएगी। इस संबंध में अनुश्रवण दल में शामिल पदाधिकारी अपने स्तर पर उक्त वर्णित विद्यालयों में अनुश्रवण कर शत-प्रतिशत बच्चों का आंगनबाड़ी से उच्च प्राथमिक विद्यालय से माध्यमिक विद्यालय, माध्यमिक विद्यालय से उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में शत प्रतिशत ट्रांजिशन सुनिश्चित करते हुए विद्यालयों में शून्य ड्राप आउट की समीक्षा करेंगे।

अनुश्रवण के दौरान इन पदाधिकारियों की उपस्थिति होगी अनिवार्य - राज्यस्तरीय टीम द्वारा विद्यालयों के सतत अनुश्रवण के दौरान संबंधित जिले के जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला शिक्षा अधीक्षक अनिवार्य रूप से भ्रमण करेंगे। विद्यालयों के निरिक्षण के दौरान संबंधित जिले के अनुमंडल शिक्षा पदाधिकारी, क्षेत्र शिक्षा पदाधिकारी, सहायक अभियंता, कनीय अभियंता, फील्ड मैनेजर और सॉफ्टवेयर ट्रेनर भी टीम के साथ स्कूलो का भ्रमण करेंगे। इनके अलावा प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी, प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी, प्रखंड साधन सेवी, संकुल साधन सेवी भी अनुश्रवण में उपस्थित रहेंगे। नामित पदाधिकारियों एवं कर्मियों के शत प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित कराने की जवाबदेही जिला शिक्षा पदाधिकारी एवं जिला शिक्षा अधीक्षक की होगी।

सभी जिला शिक्षा प्रशिक्षण केंद्रों एवं संसाधन केंद्रों का होगा अनुश्रवण - झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद में राज्य शिक्षा परियोजना निदेशक आदित्य रंजन ने बताया कि अनुश्रवण के दौरान पदाधिकारियों द्वारा सभी जिलों के जिला शिक्षा प्रशिक्षण केंद्रों एवं प्रखंड संसाधन केंद्रों, संकुल संसाधन केंद्रों, समावेशी शिक्षा संसाधन केंद्रों का भी अनुश्रवण किया जाएगा। इनके अतिरिक्त पीटीएम, बीआरसी, गुरु गोष्ठी, लेसन प्लान, इतियादी से संबंधित विभिन्न एसओपी का पालन हो रहा है या नहीं, इसकी समीक्षा भी की जायेगी।

सरकार आपके द्वार कार्यक्रम अब 24 सितंबर तक

रांची, (हि.स.)। आपकी योजना-आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम पूर्व में 30 अगस्त से 15 सितंबर तक आयोजित होना था। अब इसकी अवधि बढ़ा कर 24 सितंबर कर दी गयी है। वहीं मुख्यमंत्री भी नौ सितंबर से अलग-अलग जिलों के जिलास्तरीय कैंप में शामिल होंगे। 24 सितंबर को साहिबगंज जिले के भोगनाडीह में आयोजित समापन समारोह में भी हिस्सा लेंगे। इस बाबत कैबिनेट सचिव वंदना दादेल ने सभी उपायुक्तों को पत्र लिख कर जानकारी दी है। उन्होंने लिखा है कि कार्यक्रम की अपार सफलता एवं जिलों में पंचायतों की संख्या अधिक होने कारण इस कार्यक्रम को विस्तारित करते हुए अब इसे 30 अगस्त से 24 सितंबर तक संचालित करने का निर्णय लिया गया है। इस क्रम में जिलों में आयोजित शिविरों में मुख्यमंत्री एवं अन्य मंत्रीगण द्वारा भाग लिया जायेगा एवं विभिन्न लोक कल्याणकारी योजनाओं के लाभुकों को लाभान्वित किया जायेगा।

किस जिले में कब है कार्यक्रम

9 सितंबर -धनबाद व गिरिडीह (दोनों जिलों के मध्य में)
10 सितंबर-पूर्वी सिंहभूम व प. सिंहभूम (दोनों जिलों के मध्य में)
11 सितंबर-गोड्डा व देवघर (गोड्डा में)
13 सितंबर- रामगढ़ व बोकारो (बोकारो में)
18 सितंबर-जामताड़ा व दुमका (जामताड़ा में)
20 सितंबर-गढ़वा व लातेहार (गढ़वा में)
21 सितंबर-कोडरमा व चतरा (चतरा में)
23 सितंबर-खूंटी व सिमडेगा (दोनों जिलों के मध्य में)

नप अध्यक्ष ने सड़क व नाला निर्माण कार्य का किया शिलान्यास

किशनगंज, (हि.स.)। शहर के डुमरिया वार्ड संख्या 30 में काली मंदिर के पास सड़क व नाला के निर्माण कार्य का शिलान्यास रविवार को नगर परिषद के अध्यक्ष इंद्रदेव पासवान ने फीता काटकर किया। नगर परिषद अध्यक्ष इंद्रदेव पासवान ने कहा कि नगर का विकास पहली प्राथमिकता है। जहां जहां सड़क व नाले की आवश्यकता है वहां वहां विभिन्न योजनाओं से निर्माण करवाया जाना है इसी कड़ी में शिलान्यास किया गया है। शिलान्यास के दौरान वार्ड पार्षद दीपाली सिंह ने बताया कि तीन बार वार्ड पार्षद रहते अपने घर तक जाने वाली सड़क को नहीं बनवायी थी। लक्ष्य था की पहले आम लोगों की समस्या का निपटारा करना है।अब जब सभी जगह सड़कों का निर्माण हो गया तब अपने आवास के पास वाले स्थल में सड़क का शिलान्यास किया गया है। पार्षद प्रतिनिधि राजा सिंह ने कहा कि 47 लाख रुपये की लागत से सड़क व नाला निर्माण का कार्य कराया जाना हैं शिलान्यास के दौरान पार्षद सुशांत गोप , प्रदीप ठाकुर, पार्षद प्रतिनिधि संजय पासवान, शशांक सिंह, उत्तम सिंह, गोपाल सिंह, विशाल, अरुण पोद्दार, राजेश चौहान, आदि मौजूद थे।

मेहंदीपुर बालाजी के दर पहुंचे बिहार के उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी

दौसा, (हि.स.)। बिहार के उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी रविवार को आस्थाधाम मेहंदीपुर बालाजी पहुंचे, जहां उन्होंने परिवार के साथ स्वयंभू बालाजी दरबार की विशेष पूजा अर्चना कर खुशहाली की कामना की। चौधरी के मंदिर पहुंचने पर ट्रस्ट सचिव एमके माथुर ने उनकी अगवानी की। इसके बाद उन्होंने गर्भगृह के सामने पहुंचकर बालाजी महाराज की पूजा अर्चना की। मंदिर के पंडितों ने उन्हें सोने के चोले का टीका लगाया व माला पहनाकर अभिनंदन किया। वहीं भैरवबाबा व प्रेतराज सरकार के भी दर्शन कर मनौती मांगी। यहां पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि बालाजी महाराज में मेरी अटूट आस्था है और प्रार्थना करने आया हूं कि बिहार समेत पूरे देश में समृद्धि व खुशहाली आए। देश आगे बढ़े, दुनिया में सुपरपावर बने। तेजस्वी यादव की प्रस्तावित यात्रा में गमछा प्रतिबंधित करने के सवाल पर कहा कि लालू यादव का परिवार आतंक, गुण्डों, भ्रष्टाचार, गुण्डागर्दी व माफियाओं का प्रतीक है। ऐसे में वो हरा गमछा बांधकर गुण्डागर्दी करते रहे हैं। वो चाहते हैं सिर्फ गमछा उतार देंगे, लेकिन उनको अपने चरित्र का बदलाव करना चाहिए। दर्शनों के बाद ट्रस्ट सचिव ने सम्राट चौधरी को सिद्धपीठ मेहंदीपुर बालाजी मंदिर के महंत डॉ नरेशपुरी महाराज के सान्निध्य में चलाए जा रहे जनहित के कार्यो की जानकारी देकर प्रसादी भेंट की। इस दौरान एसडीएम यशवंत मीना, मानपुर डिप्टी एसपी दीपक मीना, तहसीलदार सुरेन्द्र, थाना इंचार्ज गौरव प्रधान सहित सुरक्षा के पुख्ता बंदोबस्त रहे।

पूर्वी चंपारण के एसपी कांतेश मिश्र बने आईबी के डिप्टी डायरेक्टर

पूर्वी चंपारण, (हि.स.)। भारतीय पुलिस सेवा 2015 बैच के आईपीएस और वर्तमान में पूर्वी चंपारण जिले के एसपी कांतेश कुमार मिश्र को केन्द्रीय प्रतिनियुक्ति पर भेजा जा रहा है। गृह मंत्रालय के द्वारा बिहार के चीफ सेक-ेट्री को भेजे गये पत्र में उन्हें रिलीव करने को कहा गया है। उन्हें इंटेलिजेंस ब्यूरो में ज्वाइंट डिप्टी डायरेक्टर की जिम्मेदारी दी गई है। इनकी सेवा पांच सालों की होगी। कांतेश मिश्र की पहचान एक ईमानदार, मृदुभाषी, कवि हृदय के अलावे क्विक रिस्पॉन्सिबल पदाधिकारी के रूप में रही है। पुलिस कप्तान होते हुए कवि की सोच होना अपने आप में बड़ी बात है, तभी तो पुलिस अधीक्षक की पाटलिपुत्र की छांव व मगध सा मन काव्य संग्रह खूब सराहा गया। जिले में दिसबंर 2022 में पदस्थापित होने के बाद अपराध नियंत्रण के मामले में भी उनकी कार्यशैली काफी सराहनीय रही है। संवेदनशील घटना के बाद पुलिस की तात्कालिक एक्शन श्री मिश्र का लाजवाब रहा। घोड़ासहन में नेपाली डकैतों का एनकाउंटर हो या फिर एके 47,अमेरिकन पिस्टल व वॉकी टॉकी बरामदगी की कार्रवाई काबिले तारीफ कही जायेगी।

दूसरे प्रदेश से अपराधियो की गिरफ्तारी में भी पुलिस कप्तान पीछे नहीं रहे। एटीएम चोर का अन्तराज्यीय गैंग या करोड़ो के स्वणाभूषण की चोरी कांड का खुलासा कोई बख्शा नहीं गया। घटना बड़ी हो या छोटी उसे होम वर्क बनाकर टीम वर्क कर के उदभेदित किया गया। मिश्र की कार्यकुशलता वैसे मामले में भी देखा गया, जो मामले संदिग्ध थे। मिश्र की उपलब्धि शराब तस्करी पर लगाम लगाने में भी अव्वल रही। साथ ही जाली नोट व मादक पदार्थ के कई खेप भी पकड़े गए और कई तस्कर जेल भेजे गए। सीमाई इलाकों में तस्करी को लेकर भी पुलिस कप्तान की खुफिया तंत्र काफी मजबूत रहा है।

तेल-तिलहन के भाव सुधरे जबकि सोयाबीन तिलहन में रही गिरावट

नई दिल्ली ।
कच्ची घानी के बड़े खाने के तेल मिलों की मांग बढ़ने तथा बरसात के कारण मंडियों में कम आवक से देश के तेल-तिलहन बाजारों में शनिवार को सरसों तेल-तिलहन की अगुवाई में मूंगफली तेल-तिलहन, सोयाबीन तेल, कच्चा पामतेल (सीपीओ) एवं पामोलीन तथा बिनौला तेल के दाम में सुधार दर्ज हुआ जबकि सोयाबीन तिलहन के दाम गिरावट दर्शाते बंद हुए।

बाजार सूत्रों ने बताया कि बरसात के कारण सोयाबीन, मूंगफली और बिनौला आदि के फसल आने में अभी देर होगी जिसकी वजह से बाजार में कम आपूर्ति (शॉर्ट सप्लाई) की स्थिति बनी हुई है।

तेल-तिलहनों के भाव इस प्रकार रहे : सरसों तिलहन 6,310-6,350 रुपये प्रति क्विंटल, मूंगफली 6,700-6,975 रुपये प्रति क्विंटल, मूंगफली तेल मिल डिलिवरी (गुजरात) 15,850 रुपये प्रति क्विंटल, मूंगफली रिफाइंड तेल 2,385-2,685 रुपये प्रति टिन, सरसों तेल दादरी 12,525 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों पक्की घानी 2,010-2,110 रुपये प्रति टिन, सरसों कच्ची घानी 2,010-2,125 रुपये प्रति टिन, तिल तेल मिल डिलिवरी 18,900-21,000 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन तेल मिल डिलिवरी दिल्ली 10,625 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन मिल डिलिवरी इंदौर 0,225 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन तेल डीगम, कांडला 8,850 रुपये प्रति क्विंटल, सीपीओ एक्स-कांडला 9,425 रुपये प्रति क्विंटल, बिनौला मिल डिलिवरी (हरियाणा) 10,450 रुपये प्रति क्विंटल, पामोलिन आरबीडी, दिल्ली 10,650 रुपये प्रति क्विंटल, पामोलिन एक्स कांडला- 9,850 रुपये (बिना जीएसटी के) प्रति क्विंटल, सोयाबीन दाना 4,740-4,770 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन लूज 4,540-4,675 रुपये प्रति क्विंटल और मक्का खल (सरिस्का) 4,200 रुपये प्रति क्विंटल।

न्यूज ब्रीफ

पिछले सप्ताह पांच पेन्नी स्टॉक्स ने 55 फीसदी तक रिटर्न दिया

नई दिल्ली । घरेलू शेयर बाजार के लिए पिछला सप्ताह उतार चढ़ाव वाला रहा है। शुक्रवार को सेंसेक्स 900 से ज्यादा अंकों की गिरावट के बाद बंद हुआ, जबकि निफ्टी में भी 1 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई थी। पूरे हफ्ते सेंसेक्स लगभग 1.43 प्रतिशत गिरावट के साथ बंद हुआ। हालांकि इस गिरावट भरे बाजार में कुछ ऐसे पेनी स्टॉक हैं, जिन्होंने कमाल किया है। 9 पेनी स्टॉक्स ने अपने निवेशकों को 10 प्रतिशत से लेकर 55 प्रतिशत का रिटर्न दिया है, जिसका करेंट शेयर प्राइस 20 रुपये से कम है और इनका मार्केट कैप 1000 करोड़ रुपये से कम है। डायमंड ज्यूलरी बनाने वाली एक कंपनी ने पिछले हफ्ते बेहद ही शानदार प्रदर्शन किया है, इसके शेयर प्राइस में 53 प्रतिशत का उछाल दर्ज किया गया है और यह शुक्रवार यह 10.24 रुपये के भाव पर बंद हुआ। यह कंपनी नोज पिन, स्टड, सॉलिटेयर, घड़ियां, बेल्ट, कफ़लिंक, और शर्ट के बटन बनाती है।

आईआईटी बॉम्बे को अनुसंधान एवं विकास के लिए मिला 700 करोड़ का फंड

नई दिल्ली । भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) बॉम्बे ने 2023-24 में अनुसंधान और विकास के लिए वार्षिक अनुदान के रूप में रिकॉर्ड 700 करोड़ रुपये प्राप्त किए हैं। पिछले तीन वर्षों की तुलना में यह सबसे ज्यादा है। 2022-23 में संस्थान को 576 करोड़ रुपये और 2021-22 में 502 करोड़ रुपये मिले थे। आरएंडडी फंड सरकारी और गैर-सरकारी एजेंसियों से प्राप्त राशि का संयोजन है। निजी एजेंसियों से प्राप्त धन अनुदान राशि का 35 प्रतिशत होता है, जबकि शेष सरकारी एजेंसियों द्वारा दिया जाता है। संस्थान ने कहा कि आईआईटी बॉम्बे ने अपने अनुसंधान एवं विकास को तकनीकी आत्मनिर्भरता हासिल करने के राष्ट्रीय लक्ष्य के साथ जोड़ने के लिए ठोस प्रयास किए हैं। संस्थान ने विभिन्न शैक्षणिक इकाइयों के शोधकर्ताओं को शामिल करते हुए जटिल समस्याओं को समग्र तरीके से हल करने के लिए कई बड़े बहु-विषयक अनुसंधान केंद्र स्थापित किए हैं। इसमें कहा गया कि छात्र और संकाय सदस्य विज्ञान, इंजीनियरिंग, डिजाइन, प्रबंधन और मानविकी के सभी क्षेत्रों में अनुसंधान परियोजनाएं संचालित करते हैं। संस्थान ने बताया कि विज्ञान, इंजीनियरिंग, प्रबंधन, डिजाइन और सामाजिक विज्ञान के सभी क्षेत्रों में हर साल नई अनुसंधान एवं विकास परियोजनाएं शुरू की जाती हैं, जिनमें अल्पकालिक परामर्श और दीर्घकालिक प्रायोजित अनुसंधान दोनों शामिल हैं। परियोजनाओं की अवधि आम तौर पर 2-5 साल तक होती है। आईआईटी बॉम्बे इस अनुदान का उपयोग तकनीकी शिक्षा विभाग द्वारा महाराष्ट्र ड्रोन मिशन जैसी परियोजनाओं को शुरू करने के लिए करेगा। स्वदेशी प्रौद्योगिकी विकास को बढ़ावा देने और ड्रोन प्रौद्योगिकी में महाराष्ट्र को वर्ल्ड लीडर के रूप में स्थापित करने के लिए विभाग ने 151.8 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ एक परियोजना को वित्त पोषित किया। संस्थान वस्त्र मंत्रालय के लिए एक परियोजना वस्त्र-आधारित कंपोजिट का उपयोग करके हाइड्रोजन प्रेशर वेसल निर्माण का विकास करने के लिए भी काम कर रही है।

बायूज ऑडिटर ने पिछली तारीखों में रिपोर्ट करने को कहा, हम सहमत नहीं थेः सीईओ

नई दिल्ली । शिक्षा प्रौद्योगिकी कंपनी बायजू के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) बायजू रवींद्रन ने आरोप लगाया कि कंपनी की ऑडिट कंपनी बीडीओ ने रिपोर्ट को पिछली तारीख से प्रकाशित करने का सुझाव दिया था, जिसे कंपनी ने स्वीकार करने से मना कर दिया और उनका इस्तीफा दिखावटी है। ऑडिट फर्म के रूप में बीडीओ के इस्तीफे पर रवींद्रन ने बताया कि ऑडिटर दिवाला कार्यवाही के बारे में सबसे पहले जानते हैं, लेकिन उन्होंने इसके बारे में अदालत द्वारा नियुक्त दिवाला समाधान पेशेवर (आईआरपी) को सूचित नहीं किया। उन्होंने कहा कि उन्होंने हमें कई बार पिछली तारीखों में रिपोर्ट करने के लिए कहा है। यह सब हाल ही में हुआ है। हम सहमत नहीं थे। हमारे पास छिपाने के लिए कुछ भी नहीं है। एमएसकेए एंड एसोसिएट्स ने बीडीओ इंडिया से सम्बद्ध बायजू के ऑडिट का काम संभाला था। एमएसकेए ने फर्म के ऑडिटर के पद से इस्तीफा दे दिया है। रवींद्रन ने कहा कि ऑडिटरों ने पश्चिम एशिया स्थित साझेदार के साथ लेन-देन के फोरेंसिक ऑडिट के लिए कहा था।

शेयर बाजार को लेकर निवेशकों में बढ़ा रुझान, देश में डीमैट अकाउंट की संख्या 17 करोड़ के पार पहुंची

नई दिल्ली।
घरेलू शेयर बाजार में खुदरा निवेशकों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। निवेशकों की संख्या में बढ़ोतरी होने का संकेत देश में लगातार बढ़ रहे डीमैट अकाउंट की संख्या से मिलता है। अगस्त महीने में देश में कुल डीमैट अकाउंट की संख्या पहली बार 17 करोड़ के आंकड़े के पार पहुंच गई। अगस्त में देश में 42.30 लाख डीमैट अकाउंट खोले गए। इस तरह देश में अभी तक खोले गए डीमैट अकाउंट की कुल संख्या 17.11 करोड़ हो गई है।

डिपॉजिटरी द्वारा जारी किए गए आंकड़ों के मुताबिक अगस्त के पहले जुलाई के महीने में 44.44 लाख डीमैट अकाउंट खुले थे। इस तरह मासिक आधार पर नए खुलने वाले डीमैट अकाउंट की संख्या में अगस्त के महीने के दौरान 2.14 लाख की कमी जरूर आई लेकिन सालाना आधार पर इसमें 11.30 लाख की बढ़ोतरी हुई है। इसके पहले अगस्त 2023 में 31 लाख में डीमैट अकाउंट खोले गए थे। इस साल जून महीने में ही देश में डीमैट अकाउंट की संख्या बढ़ कर 16 करोड़ हो गई थी। इसके दो महीने बाद ही अगस्त के महीने में इस संख्या में एक करोड़ की बढ़ोतरी हो गई। जनवरी 2023 से लेकर अगस्त 2024 के बीच 6.28 करोड़ डीमैट अकाउंट खोले गए हैं। इनमें साल 2024 में जनवरी से अगस्त के दौरान कुल 3.18 करोड़ नए डीमैट अकाउंट खोले गए हैं। इसके पहले साल 2023 में जनवरी से दिसंबर तक कुल 3.10 करोड़ डीमैट अकाउंट खोले गए थे। इस तरह इस साल 8 महीने की अवधि में ही नए डीमैट अकाउंट खुलने का आंकड़ा 2023 के आंकड़े से आगे निकल गया है। उल्लेखनीय है कि डीमैट अकाउंट का इस्तेमाल मुख्य रूप से सिक्योरिटी मार्केट में ट्रेडिंग करने के लिए किया जाता है। इस अकाउंट में शेयर के साथ ही म्युचुअल फंड, बॉन्ड और एक्सचेंज ट्रेडेड फंड जैसे सिक्योरिटीज को डिजिटल फॉर्म में रखा जाता है।

शीर्ष आठ कंपनियों का मार्केट कैप दो लाख करोड़ घटा, सबसे ज्यादा नुकसान रिलायंस इंडस्ट्रीज और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज को हुआ

नई दिल्ली । पिछले सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों में गिरावट के साथ देश की शीर्ष 10 कीमती कंपनियों में से आठ के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में पिछले सप्ताह संयुक्त रूप से 2,01,699.77 करोड़ रुपये की गिरावट आई। इसमें सबसे ज्यादा नुकसान रिलायंस इंडस्ट्रीज और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज को हुआ। बाजार पूंजीकरण से आशय कंपनी के शेयर के कुल मूल्य से है। इसे कुल जारी शेयर को मौजूदा बाजार भाव पर गुना कर प्राप्त किया जाता है। रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 60,824.68 करोड़ रुपये घटकर 19,82,282.42 करोड़ रुपये, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का मूल्यांकन 34,136.66 करोड़ रुपये घटकर 16,12,762.51 करोड़ रुपये, भारतीय स्टेट बैंक का बाजार पूंजीकरण 29,495.84 करोड़ रुपये घटकर 6,98,440.13 करोड़ रुपये, भारती एयरटेल का बाजार पूंजीकरण 28,379.54 करोड़ रुपये घटकर 8,76,207.58 करोड़ रुपये, इन्फोसिस का बाजार पूंजीकरण 17,061.44 करोड़ रुपये घटकर 7,89,819.06 करोड़ रुपये, भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का बाजार पूंजीकरण 16,381.74 करोड़ रुपये घटकर 6,57,009.14 करोड़ रुपये, आईसीआईसीआई बैंक का बाजार पूंजीकरण 15,169.76 करोड़ रुपये घटकर 8,51,204.65 करोड़ रुपये और आईटीसी का एमकैप 250.11 करोड़ रुपये घटकर 6,27,337.65 करोड़ रुपये रहा।। हालांकि हिंदुस्तान यूनिलीवर का बाजार पूंजीकरण 14,179.78 करोड़ रुपये बढ़कर 6,66,919.73 करोड़ रुपये हो गया। एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण 3,735.35 करोड़ रुपये बढ़कर 12,47,941.78 करोड़ रुपये रहा। बाजार पूंजीकरण के लिहाज से रिलायंस इंडस्ट्रीज सबसे मूल्यवान घरेलू कंपनी रही। इसके बाद क्रमशः टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, इन्फोसिस, भारतीय स्टेट बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एलआईसी और आईटीसी का स्थान रहा।

अमेरिका के सामने बैकफुट पर आई चीन सरकार

अमेरिका से ट्रेड वॉर कर बुरा फंसा चाइना, बाजार पिटे तो समझौते के लिए गिड़गिड़ाया

नई दिल्ली ।
पिछले काफी सालों से चीन और अमेरिका के बीच ट्रेड वॉर को सभी ने देखा है। अमेरिका ने अपने कारोबार दर सुरक्षित रखने के लिए पहले चीन पर एक के बाद एक प्रतिबंध लगाए जवाब में ड्रैगन की तरफ से भी यूएस के बाजारों को बंद करने की कार्रवाई की गई।

खुद को दुनिया की फैक्ट्री कहलाने वाले चीन के बाजार को इन प्रतिबंधों के चलते नुकसान उठाना पड़ रहा है। ऐसे में अब शी जिनपिंग की सरकार अमेरिका के सामने इस समय बैकफुट पर दिखाई दे रही है। जिनपिंग के मंत्री अमेरिकी समकक्ष से मुलाकात के समय यह तक कह गए कि आपको हमारे बड़े बाजारों से डरने की जरूरत नहीं है।

ये आपके लिए एक मौके की तरह हैं। खबर के अनुसार चीन के कॉमर्स मंत्रालय के उप मंत्री वांग शॉवेन ने अंतरराष्ट्रीय व्यापार के लिए अमेरिकी समकक्ष मारिसा लागो से चीन के तियानजिन शहर में मुलाकात की। यह बातचीत इस साल दोनों अधिकारियों के बीच दूसरी वार्ता है। चीनी नेता ने इस दौरान कहा हम आपके लिए एक अवसर है, खतरा नहीं। इससे पहले चीन के वाणिज्य मंत्रालय ने कहा था कि अमेरिका को चीनी सामान पर सभी टैरिफ हटा लेने चाहिए जो बाइडेन के प्रशासन ने चीन मे बने इलेक्ट्रिक वाहनों पर टैक्स जरूरत से ज्यादा बढ़ा दिया था।

चीनी मंत्रालय ने कहा कि दोनों देशों के व्यापारिक समुदायों द्वारा उठाए गए नीति और व्यावसायिक मुद्दों पर पेशेवर, तर्कसंगत और व्यावहारिक बातचीत हुई। इसमें कहा गया कि चीन ने उनके देश के सामान पर अमेरिकी टैक्स सहित अन्य मुद्दों पर चिंता व्यक्त की। साथ ही कहा कि चीन अत्यधिक क्षमता के बहाने व्यापार और निवेश प्रतिबंधों का विरोध करता है।

कौशल विकास मंत्रालय ने स्विगी के साथ किया समझौता

नई दिल्ली ।
कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय (एमएसडीई) और ऑनलाइन मंच स्विगी के साथ समझौता करने की घोषणा की। इस समझौते के तहत स्विगी के खाद्य वितरण और त्वरित वाणिज्य नेटवर्क के तहत कौशल और रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए एक पहल शुरू की जाएगी। इस समझौते से स्विगी से जुड़े 2.4 लाख डिलीवरी साझेदार और रेस्तरां साझेदार के कर्मचारियों को लाभ मिलेगा। इस पहल से रेस्तरां संचालन और खुदरा प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं से जुड़े लोगों को रोजगार, इंटर्नशिप और प्रशिक्षण के अवसर मिलेंगे। स्विगी स्किल्स पहल के तहत इसके डिलीवरी पार्टनर मंच को स्किल इंडिया डिजिटल हब (एसआईडीएच) के साथ एकीकृत किया जाएगा, जिससे स्विगी के कर्मचारियों को ऑनलाइन कौशल विकास पाठ्यक्रम, प्रमाणन और प्रशिक्षण मॉड्यूल तक पहुंच प्रदान की जाएगी।

बीमा कंपनी को 15 दिनों में जारी करनी होगी पॉलिसी

नई दिल्ली ।
इंश्योरेंस रैगुलेटर ईआरडीएआई ने बीमा पॉलिसी होल्डर्स के अधिकारों को लेकर एक मास्टर सर्कुलर जारी किया है। इस सर्कुलर में ई-इंश्योरेंस पॉलिसियों, हैल्थ लाइफ इंश्योरेंस पॉलिसियों दोनों के क्लेम सेटलमैंट की समयसीमा और कई हैल्थ बीमा पॉलिसियों वाले पॉलिसी होल्डर्स के अधिकारों को शामिल किया गया है। बीमा कंपनी को प्रपोजल फॉर्म स्वीकार करने के 15 दिनों के भीतर पॉलिसी जारी करनी होगी। नए नियमों के तहत इंश्योरेंस कंपनी को प्रपोजल फॉर्म के साथ इनीशिजल प्रीमियम जमा करने की अनुमति नहीं है।

30 दिन का फ्री लुक पीरियड एक साल या उससे अधिक की लाइफ इंश्योरेंस पॉलिसी के लिए, पॉलिसीहोल्डर के पास 30 दिनों की फ्री लुक पीरियड अवधि होगी। यदि पॉलिसीहोल्डर पॉलिसी की शर्तों या नियमों से असंतुष्ट है, तो उसके पास इन 30 दिनों के भीतर पॉलिसी को रद्द करने के लिए कंपनी को वापस करने का विकल्प है। कस्टमर इंफॉर्मेशन शीट एक महत्वपूर्ण दस्तावेज है जिसे कंपनी अनिवार्य रूप से अपने ग्राहकों को उनकी बीमा पॉलिसियों के साथ प्रदान करते हैं। यह पॉलिसी की मुख्य विशेषताओं और लाभों के सारांश के रूप में काम करता है। यह सुनिश्चित करता है कि पॉलिसीधारकों को उनके कवरेज के बारे में अच्छी जानकारी है।

सर्राफा बाजार की कमजोरी से सस्ता हुआ सोना, चांदी में भी गिरावट

नई दिल्ली।
एक दिन की तेजी के बाद घरेलू सर्राफा बाजार में एक बार फिर गिरावट आ गई है। सोना 400 रुपये से लेकर 450 रुपये प्रति 10 ग्राम तक टूट गया है। इसी तरह चांदी में भी 2,500 रुपये प्रति किलोग्राम तक की कमजोरी दर्ज की गई है। कीमत में हुई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 73,020 रुपये से लेकर 72,870 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है।

इसी तरह 22 कैरेट सोना भी 66,950 रुपये से लेकर 66,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। कीमत में आई गिरावट के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में चांदी की कीमत 84,500 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 73,020 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 66,950 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 72,870 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 66,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 72,920 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 66,850 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 72,870 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 66,800 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 72,870 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 66,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर आ गया है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 73,020 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 66,950 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 72,920 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 66,850 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 73,020 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 66,950 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोना सस्ता हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 72,870 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 66,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

राज्य स्तरीय पुरुष बैडमिंटन कांठ प्रीमियर लीग का शुभारंभ

मुरादाबाद।
कृष्णावती बैडमिंटन क्लब कांठ मुरादाबाद के तत्वावधान में राज्य स्तरीय पुरुष बैडमिंटन कांठ प्रीमियर लीग का शुभारंभ रविवार को नेताजी सुभाष चंद्र बोस सोनकपुर स्टेडियम रामगंगा विहार में हुआ।

लीग का शुभारंभ मुख्य अतिथि कोठीवाल डेंटल कॉलेज रिसर्च सेंटर के निदेशक डॉ. केके मिश्रा, विशिष्ट अतिथि स्प्रिंगफील्ड कॉलेज के प्रबंध विपिन जेटली ने दीप प्रज्वलित करके व फीता काटकर किया।

कृष्णावती बैडमिंटन क्लब कांठ के प्रबंधक अचल विश्नोई ने बताया कि राज्य स्तरीय पुरुष बैडमिंटन कार्ड प्रीमियर लीग में मुरादाबाद के अलावा बरेली, आगरा, बिजनौर, बदायूं, अमरोहा, संभल आदि जनपदों के खिलाड़ी प्रतिभा कर रहे हैं। प्रीमियर लीग में 18 टीमों में 72 खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। प्रतियोगिता का परिणाम आज देर रात घोषित किया जाएगा।

मौके पर मुख्य अतिथि डॉ. केके मिश्रा ने कहा कि जो खिलाड़ी खेल के मैदान में पसीना बहाते हैं, वह निश्चित ही सफलता को प्राप्त करते हैं। कोई भी खिलाड़ी अपने लिए खेल में नहीं खेलता है, वह अपने जिले, प्रदेश और देश के लिए खेलता है। प्रतियोगिता में जब उसे जीत हासिल होती है तो उसके शहर का नाम, प्रदेश का नाम और देश का नाम ऊंचा होता है।

प्रीमियर लीग कार्यक्रम का संचालन निमित जायसवाल ने किया। इस मौके पर आयोजकों के द्वारा सभी अतिथियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

इस मौके पर पूर्व जूडो कोच सतीश चंद्र शर्मा, बैडमिंटन प्रशिक्षक आसिफ सिद्दीकी, भाजपा पार्षद सुरेंद्र विश्नोई, योगेश शर्मा, देशकांत त्यागी, नरेंद्र बिश्नोई आदि रहे।

न्यूज ब्रीफ

द्रविड़ को कोच के तौर पर जोड़ने कई फ्रैंचाइजियों ने दिये थे लुभावने प्रस्ताव, सभी को ठुकराकर पुरानी टीम रॉयल्स से जुड़े

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कोच राहुल द्रविड़ पैसे से अधिक महत्व रिश्तों को देते हैं। यह इससे पता चलता है कि उन्होंने इंडियन प्रीमियर लीग 2025 के लिए कोच के तौर पर अपनी पुरानी टीम राजस्तान रॉयल्स को चुना जबकि उन्हें एक फ्रैचाइजी ने अपनी टीम से जोड़ने के लिए ब्लैंक चेक का भी प्रस्ताव दिया था। द्रविड़ को आईपीएल में कोच के तौर पर अपने साथ जोड़ने के लिए कई टीमें तैयार थीं ओर इस दौरान उन्हें कई लुभावने प्रस्ताव भी मिले थे। द्रविड़ पूर्व में भी राजस्थान रॉयल्स के कप्तान और खिलाड़ी के अलावा टीम के मेंटोर भी रहे हैं। इसी कारण उन्होंने रॉयल्स जाना सही समझा। द्रविड़ आईपीएल 2025 में 7 साल के बाद इस टीम के साथ जड़ रहे हैं। मुख्य कोच के तौर पर आईसीसी टी20 विश्व कप 2024 में टीम को जीत दिलाकर द्रविड़ ने एक अहम उपलब्धि अपने नाम दर्ज की है। इसी कारण एक आईपीएल की नामी फ्रेंचाईजी उन्हें किसी भी कीमत पर अपने साथ जोड़ना चाहती थी पर द्रविड़ तैयार नहीं हुए।

इंग्लैंड लायन्स के मुख्य कोच बने फ्लिंटॉफ

लंदन । पूर्व क्रिकेटर एंड्रयू फ्लिंटॉफ अब कोच की भूमिका में नजर आयेंगे। फ्लिंटॉफ को इंग्लैंड लायन्स का मुख्य कोच बनाया गया है। वह खेल से संन्यास के बाद से ही कमेंटटर के तौर पर खेल से जुड़े रहे है पर अब उन्हें कोचिंग की जिम्मेदारी मिली है। इस पूर्व क्रिकेटर का कहना है कि वह इसको लेकर बेहद उत्साहित हैं। इसमें उन्हें देश की कुछ उभरती हुई प्रतिभाओं को निखारने का अवसर मिलेगा। इस प्रकार को वह टीम के भविष्य को आकार देने में अपना योगदान दे सकते हैं। कोच के तौर पर फ्लिंटॉफ को दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के आगामी दौरों के साथ-साथ भारत ए और जिम्बाब्वे के खिलाफ अगले सत्र में होने वाले मुकाबलों की जिम्मेदारी दी गई है। फ्लिंटॉफ टी20 विश्व कप में सहायक कोच रहे हैं। उन्होंने 'द हंड्रेड में नॉर्दर्न सुपरचार्जर्स के मेंटोर की भूमिका निभाई थी। वह श्रीलंका के खिलाफ मौजूदा टेस्ट के लिए इंग्लैंड के बल्लेबाजी कोच मार्कस ट्रेस्कोथिक की जगह लेंगे। फ्लिंटॉफ ने इंग्लैंड के लिए 79 टेस्ट खेले हैं। इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने कहा कि फ्लिंटॉफ ''बेहतरीन क्षमता वाले आवेदकों के समूह में से सबसे बेहतर उम्मीदवार थे।

ऋषभ की शानदार वापसी

बेंगलुरु । भारतीय टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने दलीप ट्रॉफी से फर्स्ट क्लास क्रिकेट में शानदार वापसी की है। ऋषभ यहां पहली पारी में असफल रहे थे और सात रन ही बना पाये थे पर दूसरी पारी में उन्होंने शानदार प्रदर्शन कर अपनी क्लास दिखायी। कार हादसे के बाद सीमित ओवरों में उन्होंने पहले ही धमाकेदार वापसी की थी पर अब टेस्ट प्रारुप में भी अपने को साबित किया है। वहीं अब लंबे प्रारुप में अपने प्रदर्शन से दिखाय है कि उनमें कोई बदलाव नहीं आया है। ऋषभ का रिवर्स स्कूप काफी पसंद किया जाता है। वह विश्व के दिग्गज गेंदबाजों के खिलाफ भी ये शॉट खेल चुके हैं। अब दलीप ट्रॉफी में इंडिया बी की ओर से खेलते हुए ऋषभ ने यही रिवर्स स्कूप खेला। इंडिया ए के तेज गेंदबाज आकाश दीप के खिलाफ उन्होंने ये शॉट लगाया। इस दौरान गेंद तेजी से चार रनों के लिए निकल गयी। इस मुकाबले की पहली पारी में वह एक बड़ा शॉट लगाने के प्रयास में कैच हो गये थे पर दूसरी पारी में उन्होंने कोई गलती नहीं की और केवल 34 गेंदों पर ही अपना अर्धशतक लगा दिया। 47 गेंदों पर ही उन्होंने 61 रनों की पारी खेली। इसमें 9 चौके के साथ ही दो छक्के भी शामिल थे।

एशियाई ओलंपिक परिषद के अध्यक्ष बने रणधीर सिंह, यह पद ग्रहण करने वाले पहले भारतीय

नई दिल्ली।

अनुभवी खेल प्रशासक रणधीर सिंह एशियाई ओलंपिक परिषद (ओसीए) के अध्यक्ष चुने गए हैं। रविवार को नई दिल्ली के प्रगति मैदान स्थित भारत मंडपम में आयोजित 44वीं ओसीए आम सभा में इसकी घोषणा की गई। वह ओसीए अध्यक्ष बनने वाले पहले भारतीय हैं। ओसीए ने एक विज्ञप्ति में बताया कि पांच बार के ओलंपियन 77 वर्षीय रणधीर सिंह ओसीए अध्यक्ष पद के लिए एकमात्र उम्मीदवार थे। उनका चयन सर्वसम्मति से किया गया। उनका कार्यकाल 2024 से 2028 तक रहेगा। आम सभा में अध्यक्ष, पांच क्षेत्रों के लिए पांच उपाध्यक्ष और पांच कार्यकारी बोर्ड के सदस्यों का निर्विरोध निर्वाचन हुआ।

नए कार्यकारी बोर्ड की ओर से रणधीर ने कहा कि आपका बहुत-बहुत धन्यवाद और आपने जो प्यार और स्नेह दिखाया है, उसके लिए हम बहुत सम्मानित महसूस कर रहे हैं। मैं तहे दिल से आपका शुक्रिया अदा करता हूं।

ओसीए अध्यक्ष: राजा रणधीर सिंह (भारत)

ओसीए उपाध्यक्ष

पूर्वी एशिया: टिमोथी फ़ोक (हांगकांग, चीन)
दक्षिण पूर्व एशिया: डॉ नोर्ज़ा जकारिया (मलेशिया)
दक्षिण एशिया: एचआरएच प्रिंस जिग्येल उग्येन वांगचुक (भूटान)
पश्चिम एशिया: डॉ. थानी अल-कुवारी (कतर)
मध्य एशिया: ओटाबेक उमारोव (उज़्बेकिस्तान)

कार्यकारी बोर्ड के सदस्य

पूर्वी एशिया: मिकाको कोटानी (जापान)
दक्षिण पूर्व एशिया: प्रो. डॉ. सुपित्र समाहितो (थाईलैंड)
मध्य एशिया: ओल्गा रयबाकोवा (कजाकिस्तान)
पश्चिम एशिया: नूरा अल जस्मी (संयुक्त अरब अमीरात)
दक्षिण एशिया: कोई उम्मीदवार नहीं

खेल प्रशासन में लंबा अनुभव रहा

रणधीर सिंह ने 1987 में खेल प्रशासन करियर की शुरुआत की। उन्हें भारतीय ओलंपिक संघ का महासचिव नियुक्त किया गया। इस पद पर वह 2012 तक रहे। 1987 में ही उन्हें भारतीय खेल प्राधिकरण के संचालन बोर्ड के सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया।

इस पद पर वह 2010 तक रहे। वह 2010 के दिल्ली कॉमनवेल्थ गेम्स की आयोजन समिति के उपाध्यक्ष भी थे। वर्ष 1991 में उन्हें ओलंपिक काउंसिल ऑफ एशिया का महासचिव नियुक्त किया गया। इस पद पर वे 2015 तक रहे। 2015 से 2021 तक ओसीए के आजीवन उपाध्यक्ष रहे। 2021 में ओसीए के कार्यवाहक अध्यक्ष बने।

पेरिस पैरालंपिक में भारतीय एथलीट सिमरन को कांस्य

पेरिस। भातीय महिला एथलीट सिमरन को पेरिस पैरालंपिक खेलों में महिलाओं की 200 मीटर टी12 फाइनल में कांस्य पदक मिला है। सिमरन 24.75 सेकंड का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय निकलाकर तीसरे स्थान पर रही। इस दौरान उनके गाइड अभय सिंह भी शामिल थे। पैरालंपिक में टी12 स्पर्धा में दृष्टिबाधित एथलीट शामिल होते हैं। इसलिए एथलीट ट्रैक पर एक गाइड के साथ दौड़ते हैं। वह इसी साल जापान के कोबे में हुई स्पर्धा में विश्व चैंपियन बनी थी। वहीं इससे पहले 100 मीटर स्पर्धा में चौथे स्थान पर रही थीं। इस खिलाड़ी को बचपन से ही कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ा था। भारत ने पेरालिंपिक में अब 6 स्वर्ण, 10 रजत और 13 कांस्य के साथ ही कुल 29 पदक जीत लिए हैं। इसमें सबसे ज्यादा मेडल पेरा एथलेटिक्स में ही आए हैं। इस कैटेगरी में तीन स्वर्ण, 7 रजत और 7 कांस्य सहित 17 पदक मिले हैं।

दलीप ट्रॉफी : शुभमन से हुई गलती , फील्डिंग के लिए उतार दिये 12 खिलाड़ी

बेंगलुरु।
भारतीय क्रिकेट टीम के युवा बल्लेबाज शुभमन गिल ने दिलीप ट्रॉफी में इंडिया ए टीम की कप्तानी करते हुए एक बड़ी गलती कर दी जबकि उन्हें भविष्य में भारतीय टीम की कप्तानी का दावेदार माना जाता है। शुभमन ने इंडिया बी के खिलाफ मैच में फील्डिंग के लिए 12 खिलाड़ी उतर दिये।

इस गलती का पता चलने पर अंपायर ने जानकारी दी और अतिरिक्त खिलाड़ी को हटाने का आदेश दिया। इससे शुभमन की कप्तानी क्षमताओं पर सवाल भी उठे हैं। कहा जा रहा है कि कप्तान को ये तक पता नहीं था कि मैदान में कितने खिलाड़ी हैं जबकि उनको भारतीय टीम के अगले कप्तान का भी दावेदार माना जाता है।

शुभमन ने इंडिया बी के खिलाफ मैच के दूसरे दिन मैदान में 11 नहीं बल्कि 12 खिलाड़ी उतार दिये।

इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए पहली पारी में इंडिया बी ने 94 रन के स्कोर पर टीम ने 7 विकेट गंवा दिए थे। वहीं दूसरे दिन जब मुशीर खान बल्लेबाजी कर रहे थे तभी

शुभमन ने मैदान पर फील्डिंग के लिए 11 की जगह एक अतिरिक्स खिलाड़ी उतारा और शिवम दुबे पारी का 99वां ओवर फेंकने लगे। उन्होंने 2 गेंद फेंकी उसी समय अंपायर ने देखा कि मैदान पर 11 नहीं बल्कि 12 खिलाड़ी फील्डिंग कर रहे हैं। तब शुभमन ने अतिरिक्त खिलाड़ी को हटाया पर ये हैरानी की बात रही कि कप्तान को ये ही नहीं पता था कि मैदान में कितने खिलाड़ हैं।

मोईन अली ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से लिया संन्यास

नई दिल्ली।
ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आगामी व्हाइट बॉल सीरीज के लिए इंग्लैंड की टीम में नहीं चुने जाने के बाद इंग्लैंड के स्टार ऑलराउंडर मोइन अली ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास का ऐलान कर दिया है। दस साल के लंबे करियर के बाद उन्होंने इंग्लैंड टीम को अलविदा कह दिया। मोईन ने कहा कि यह उनके लिए संन्यास लेने का सही समय है, ताकि युवाओं को टीम में ज्यादा से ज्यादा मौका मिल सके। उन्हें ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आगामी वाइट बाल सीरीज के लिए इंग्लैंड की टीम में नहीं चुना गया था।

मोईन अली ने डेली मेल के साथ साक्षात्कार में कहा कि मैं 37 साल का हूं और इस महीने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली सीरीज के लिए मुझे नहीं चुना गया। मैंने इंग्लैंड के लिए काफी क्रिकेट खेली है। अब अगली पीढ़ी को मौका देने का समय आ गया है, जिसके बारे में मुझे बताया भी गया। मुझे लगा कि यह सही समय है। मैंने अपना काम कर दिया है।

स्टार ऑलराउंडर मोईन ने 2014 में वेस्टइंडीज के खिलाफ अपना अंतरराष्ट्रीय पदार्पण किया था। उन्होंने इंग्लैंड के लिए 68 टेस्ट, 138 वनडे और 92 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले। उन्होंने तीनों प्रारूपों को मिलाकर 6678 रन बनाए। इनमें 8 शतक, 28 अर्धशतक शामिल हैं। उन्होंने 366 विकेट भी लिए। मोईन 2019 में वनडे विश्व कप और 2022 में टी20 विश्व कप जीतने वाली इंग्लैंड टीम का हिस्सा रह चुके हैं। मोईन अली ने 2014 से 2024 तक 298 अंतरराष्ट्रीय मैचों में भाग लिया।

रुट की बल्लेबाजी देखकर उनका प्रशंसक बन गया हूं: विलियमसन

लंदन ।

न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान केन विलियमसन ने इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबा जो रूट की प्रशंसा करते हुए कहा है उनकी जबरदस्त बल्लेबाजी देखकर मैं उनका प्रशंसक बन गया हूं। रुट ने श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में जबरदस्त प्रदर्शन किया है। रूट ने श्रीलंका के खिलाफ पहले 2 मैचों में ही 3 शतक लगा दिये। उन्होंने अपनी बल्लेबाजी से पूर्व कप्तान एलिस्टर कुक का रिकार्ड भी तोड़ दिया और टेस्ट प्रारूप में सबसे अधिक 34 शतकों का रिकॉर्ड अपने नाम किया है। रूट को अब कुक के सबसे अधिक टेस्ट रनों का रिकॉर्ड तोड़ने के लिए केवल 82 रनों की जरुरत है। विलियमसन ने कहा है कि वह रुट के अलावा सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में शामिल विराट कोहली और स्टीवन स्मिथ के भी बड़े प्रशंसक हैं पर रूट काफी समय से विशेष प्रदर्शन कर रहे हैं। इससे ऐसा लगता है कि वह जल्द ही कई बड़े रिकार्ड अपने नाम कर लेंगे। जो आसान नहीं है। विलियमसन बोले, मैं उनका बहुत बड़ा प्रशंसक रहा हूं। केवल उनका ही नहीं, बल्कि अन्य खिलाड़ियों विराट और स्मिथ का भ प्रशंसक हूं।

कीवी टीम को अगले माह भारत में सीरीज खेलनी है जबकि उसका रिकार्ड भारतीय धरती पर

का काफी खराब रहा है। इसी को लेकर विलियमसन ने कहा कि हमें एशिया में कई तरह से चुनौती मिलने वाली है पर एक टीम के रूप में हमारे लिए यह अहम है कि हम हालातों के अनुसार आगे बढ़ते रहें, अगले ढाई महीनों में जो अनुभव हमें मिलने वाले हैं उन्हें हासिल करें और इस दौरान बेहतर बनने का प्रयास करें।

ऑस्ट्रेलिया ने तीसरे टी20 में भी स्कॉटलैंड को हराकर 3-0 से सीरीज जीती

एडिनबर्ग ।

कैमरून ग्रीन के शानदार प्रदर्शन से ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम ने यहां स्कॉटलैंड को तीसरे टी20 में भी 6 विकेट से हराकर तीन मैचों की टी20 सीरीज 3-0 से जीत ली है। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए स्कॉटलैंड ने मुन्से ने के 25 और ब्रैंडन मैकमुलेन के 56 रनों की सहायता से 9 विकेट पर 149 तक रन बनाये। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलियाई टीम ने 16.1 ओवर में ही चार विकेट पर 153 रन बनाकर मुकाबला जीत लिया। इस मैच में ऑस्ट्रेलिया की शुरूआत अच्छी नहीं रही पर मार्श ने 31 और कैमरून ग्रीन ने 62 रन बनाकर टीम को जीत दिला दी। सलामी बल्लेबजा जेक फ्रेजर खाता खोले बना ही पेवेयियन लौट गये। ट्रेविस हेड 12 ही रन बना पाए। वहीं कप्तान मार्श ने 23 गेंदों पर तीन चौके और 2 छक्कों की मदद से 31 रन बनाए। ग्रीन ने एक छोर संभाला और तेजी से रन बनाये। टिम डेविड ने भी 14 गेंदों पर 25 रन बनाये। ग्रीन ने 39 गेंदों पर 2 चौके और 5 छक्कों की मदद से 62 रन बनाए। एरोन हार्डी ने 11 रन बनाकर टीम को जीत दिला दी।

इससे पहले स्कॉटलैंड की शुरुआत मुन्से और हैरिस ने की। हैरिस 12 जबकि मुन्से 25 रन बनाकर आऊट हो गए। इसके बाद मैकमुलेन ने एक छोर संभाला और स्कोर 39 गेंदों पर 3 चौके और 3 छक्कों की सहायता से 56 रन तक पहुंचाया। कप्तान बैरिंगटन ने 8 जबकि मैथ्यू क्रॉस ने 7 रन बनाये। मध्यक्रम में माइकल ने 13 जबकि मार्क वॉट ने 18 रन बनाए। इस प्रकार टीम ने कुल 149 रन बनाये। ऑस्ट्रेलिया की ओर से एरोन हार्डी और एबॉट ने 2-2 जबकि कैमरून ग्रीन ने 3 विकेट लिए।

बाबर आजम के नाम है टेस्ट में ये रिकार्ड

लाहौर । पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान बाबर आजम वैसे तो आजकल एक खराब दौर से गुजर रहे हैं पर उनके नाम एक ऐसा रिकार्ड है जिसके करीब भी कोई क्रिकेटर नहीं पहुंच पाया है। आज ने ये रिकार्ड सा 2022 में टेस्ट क्रिकेट में बनाया था। उनके नाम इस प्रारुप में लगातार सबसे ज्यादा अर्धशतक का रिकॉर्ड है। उन्होंने मार्च 2022 से जून 2022 के बीच कुल 9 लगातार पारियों में 50 से ज्यादा रन बनाये थे। इसमें तीन शतकीय पारी भी शामिल रही हैं। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दो जबकि वेस्टइंडीज के खिलाफ एक टेस्ट शतक बनाया था। वहीं लगातार टेस्ट में सबसे ज्यादा 50 रन की पारी खेलने के मामले में पाकिस्तान के ही जावेद मियांदाद दूसरे नंबर पर हैं। मियांदाद ने कुल 8 मैच में 50 या इससे ज्यादा रन बनाये थे। वहीं हैरानी की बात ये है कि टेस्ट क्रिकेट में लगातार सबसे ज्यादा मैच में 50 या इससे उपर का स्कोर करने वालों की सूची में भारत के सचिन तेंदुलकर शामिल है और ना ही विराट कोहली इस सूची में शामिल हैं। भारत की तरफ से केवल पूर्व कप्तान राहुल द्रविड़ के नाम ही 7 पारियों में अर्धशतक हैं।

साइबर रिश्तों से बढ़ी बेरुखी...

साइबर रिश्तों के इस युग में रोजमर्रा की जिंदगी में आमने-सामने के लोगों से रिश्ते जोड़ने की अहमियत कम हो गई है। हमेशा लोगों को शिकायत रहती है कि युवा पीढ़ी के लोग बहुत मनमानी करते हैं और किसी की सुनते नहीं। एक ताजा शोध के अनुसार इस बात की पुष्टि हो गई है। अब युवा पीढ़ी के लोग अधिक रूखे स्वभाव के हो गए हैं। वे किसी से घुलते-मिलते नहीं। मौजूदा समय में 18 से 34 वर्ष तक के लोग अपने पड़ोसियों से दुआ-सलाम कम ही करते हैं। साथ ही बुजुर्गों का भी स्वागत नहीं करते।

डेली मेल की एक रिपोर्ट के अनुसार इस आयु वर्ग के लोग ना तो अब बिल्डिंग के लोगों को चाय की पेशकश करने में रुचि लेते हैं और न ही किसी त्योहार पर आए डाकियो को इनाम देना चाहते हैं। 23 फीसद लोग साझा बरामदे या गलियारे में कम रुचि लेते हैं जबकि 55 साल से अधिक की उम्र के लोगों के साथ ऐसा नहीं है। इस आयु समूह के 35 फीसद लोग अपने पड़ोसियों की अनदेखी करते हैं। जबकि 55 साल से अधिक आयु वर्ग में केवल 15 फीसद लोग ऐसा करते हैं। युवा वर्ग के 18 फीसद लोग किसी महिला या वृद्ध जन के लिए दरवाजा खोलना पसंद नहीं करते हैं। वहीं 17 फीसद युवा सर्वाजनिक परिवहन में किसी गर्भवती महिला के लिए अपनी सीट नहीं छोड़ना चाहते। जबकि 12 फीसद लोग किसी वृद्ध को अपनी सीट नहीं देना चाहते। 55 साल से अधिक आयु के 83 फीसद लोगों ने कहा कि वह अपने बिल्डर को कॉफी या चाय की पेशकश जरूर करते हैं। लेकिन 50 फीसद युवा पीढ़ी ऐसा नहीं करती। यह सर्वेक्षण यूगाव सर्वे ने एक हजार वयस्कों पर किया है।

नीली जींस का ट्रेंड 6,200 साल पुराना

नीले रंग की जींस के लिए हम पेरूवासियों को धन्यवाद दे सकते हैं। शोधकर्ताओं ने पेरू के उत्तरी तट पर हुआका प्रीटा में खुदाई के दौरान 6,200 साल पुराना कपड़ा पाया गया, जिस पर नीले रंग को डाई के रूप में इस्तेमाल किया गया था। इसे सबसे पहली जींस माना गया है। जॉर्ज वाशिंगटन विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने कहा कि निष्कर्ष से पता चलता है कि जटिल वस्त्र तकनीक का विकास प्राचीन रेडियन लोगों ने किया था। हुआका प्रीटा कपड़ों में इस्तेमाल होने वाला कपास गॉसपियम बारबाडेंसी, आज उगाई वाले मिस्र के कपास की जाति का ही है। हमारे पास अच्छी नीली जींस नहीं होती यदि दक्षिण अमेरिकी नहीं होते।

लड़कियों को वर की तलाश...

यौवन में दस्तक देती हर लड़की का सपना होता है कि उसकी शादी धूम धाम से हो, लेकिन एक जगह ऐसी भी है जहां लड़कियों के लिए शादी करना बेहद मुश्किल काम है। ब्राजील के नोइवा दो कोरडेएरो कस्बे में 20 से 35 साल की महिलाएं आज भी अपने लिए वर की तालाश में जुटी हुई हैं। इस कस्बे में हजारों लड़कियां शादी करने के लिए तरस रही हैं। इस कस्बे में बेहद खूबसूरत लड़कियां रहती हैं, लेकिन यहां की लड़कियों के लिए सबसे बड़ी मुसीबत यहां कुवांरे लड़कों की कमी है। कस्बे में रहने वाली लड़कियां प्यार और शादी का सपना संजोती हैं लेकिन सिर्फ शादी के लिए कस्बा नहीं छोड़ना चाहती। वे चाहती हैं कि दूसरे गांवों के लोग उनके साथ रहें उन्हीं के कस्बे में आकर रहें। साथ ही पहाड़ियों के बीच बसे इस कस्बे में बहुत ही कम शादीशुदा मर्द हैं और जो कुवांरे लड़के हैं वे अभी बहुत छोटी उम्र के हैं।

स्टूडेंट लाइफ में सेविंग...

अपने सपनों को उड़ान देने के लिए जब युवा दूसरे शहरों के अच्छे कॉलेजों में एडमिशन लेते हैं, तो जाहिर सी बात है कि फन और मस्ती में ही उनकी सारी पॉकेटमनी खत्म हो जाती होगी, क्योंकि न तो वह सेविंग्स के बारे में जानते हैं और न ही बजट कंट्रोल में रखना जानते हैं। बचत करने का पहला नियम है कि आप बजट बनाएं, बजट बनाते समय वर्क शीट पर दो सेक्शन बनाएं, जिसमें जरूरी और गैर जरूरी खर्च के बारें में लिखें। सबसे पहले वे काम करें जो जरूरी हैं, सिर्फ दूसरों को दिखाने के चक्कर में की जाने वाली फिजूल खर्ची से बचें। अक्सर आपका वीकेंड घर में बेड पर आराम फरमाते, टीवी देखते और पिज्जा खाने में निकल जाता है। ऐसे में अच्छा होगा वीकेंड पर आप कोई पार्ट टाईम जॉब शुरू करें। इससे आप अपनी पॉकेट मनी भी जुटा पाएंगे। कॉलेज में पढ़ाई के दौरान नए सेमेस्टर के शुरू होने पर आप चाहें तो रेंटल बुक्स ले कर अपनी पढ़ाई कर सकते हैं। यदि आप रोजाना जाने वाले स्टूडेंट्स में शामिल हैं तो लाइब्रेरी से बेहतर कोई और ऑप्शन नहीं हो सकता। कॉलेज जाना हो या फिर दोस्तों के साथ मस्ती करनी हो, हमेशा कोशिश करें कि आने-जाने के लिए पब्लिक व्हीकल का इस्तेमाल किया जाए, इससे आपका काफी पैसा बचेगा।

भीड़ में चलने का चलो अंदाज बदलते हैं, दुनिया कल बदलेगी हम आज बदलते हैं, चलो अपने हाथों की पतवार बदलते हैं, हर कदम के साथ अपनी रफ्तार बदलते हैं। आपके कपडे पहनने का स्टाइल, बात करने का अंदाज आपकी पर्सनैलिटी के बारे में बहुत कुछ बताता है। चाहे अनचाहे तौर पर आपके चलने का तरीका भी दूसरों पर गहरा असर छोड़ता है। क्या आप जानते हैं कि युवाओं के चलने की स्टाइल से उनके स्वभाव के बारे में भी पता चलता है। भला कैसे...? तो आइए जानते हैं।

चलने का अंदाज...

व्यक्ति का मूड उसकी चाल को काफी प्रभावित करता है। चलने के अंदाज से किसी व्यक्ति के मूड के बारे में भी आसानी से पता लगाया जा सकता है। एक शोध के मुताबिक, जो लोग अवसाद से ग्रसित होते हैं, चलते समय उनकी हाथों की गतिविधियां कम होती हैं और उनके कंधे आगे की ओर झुके होते हैं। वहीं जो लोग अच्छे मूड में होते हैं, चलते समय उनके हाथों की गतिविधियां ज्यादा होती हैं। क्वींस यूनिवर्सिटी के शोध में कहा गया है कि हमारा मूड हमारी चाल को प्रभावित करता है। किसी पल हम कैसा महसूस कर रहे हैं, इससे हमारी चाल बहुत प्रभावित होती है। हर किसी की चाल कुछ न कुछ कहती है और चलने का तरीका बताता है कि आप किस स्वभाव के हैं।

आक्रामकता का अंदाज

हाल ही यूके की पोर्ट्समाउथ यूनिवर्सिटी में हुई एक स्टडी के मुताबिक, लोगों के चलने के अंदाज से पता चलता है कि वे कितने आक्रामक है। अगर चलते वक्त किसी व्यक्ति के शरीर का ऊपरी और निचला हिस्सा ज्यादा हिलता है तो उसमें आक्रामकता ज्यादा होती है। शोधकर्ताओं ने 29 लोगों पर ट्रेडमिल पर उनके नेचुरल स्पीड में चलने के ऊपर एक अध्ययन किया है। एक शोधकर्ता के मुताबिक, जब हम चलते हैं तो हमारे शरीर में मूवमेंट होती है. जब कोई व्यक्ति अपना बायां पैर आगे बढ़ाता है तो उसके साथ कूल्हे का बायां भाग भी आगे आता है, बायां कंधा थोड़ा पीछे की तरफ झुकता है और दायां कंधा संतुलन बनाने के लिए आगे झुकता है। शोधकर्ताओं ने प्रतिभागियों को एक फॉर्म भरने दिया जो उनके आक्रामकता के स्तर का अंदाजा लगाता है। उन्होंने प्रतिभागियों के व्यक्तित्व की विशिष्टता का पता लगाने के लिए बिग फाइव नाम का एक टेस्ट भी लिया। टेस्ट और फॉर्म के जरिए उन्होंने पता लगाया कि लोग क्या सोचते हैं, क्या महसूस करते हैं और कैसे व्यवहार करते हैं। शोधकर्ताओं नें मनुष्यों के वक्ष और कूल्हे की गति और उनके चाल की गति का पता लगाया। शोधकर्ता कहते हैं कि रिसर्च से यह बात कंफर्म होती है कि लोगों के चलने के तरीके से उनके व्यक्तित्व के बारे में पता चलता है।

छोटे-छोटे कदम

जो पुरूष छोटे-छोटे कदम रखकर धीरे चलते हैं वो छोटी सी बातों में ही परेशान हो जाते हैं। उनका जीवन थोड़ा परेशानी भरा होता है। यानी ऐसे लोग आपका उत्तरदायित्व नहीं संभाल सकते। ये कमजोर साबित होते हैं।

कंधे आगे की ओर

जो कंधे आगे की ओर झुकाकर चलते हैं वे थोड़े आलसी होते हैं लेकिन जरुरत पड़ने पर मेहनत करने के लिए भी तैयार रहते हैं। इन्हें कोई भी काम दिया जाए उसे करने में आलस महसूस करते हैं और कोई भी निर्णय लेने में बहुत बार सोचते हैं।

तेज चाल

जिन युवाओं की चाल तेज होती है वे बड़े उत्साही और हमेशा आगे बढ़ने वाले स्वभाव के होते हैं। इनका शरीर फिट और आकर्षक होता है। ऐसे लोग दूसरों को भी उत्साही बनाते हैं और जीवन में काफी आगे जाते हैं। जो लोग पैरों के साथ हाथों को हिलाकर चलते हैं वे बहुत चतुर और जिंदादिल होते हैं। ऐसे लोग जोशीले और उत्साहित होने के साथ उमंग से भरे होते हैं।

पैरों को दबाव देना

जमीन पर पैरों को दबाव देकर जो लोग चलते हैं वो हिम्मती और जिद्दी स्वभाव के होते हैं और अपनी बातों पर अडिग रहने वाले होते हैं।

लंबे-लंबे कदम

जो लोग लंबे-लंबे कदम रखकर चलते हैं, वे आत्मविश्वासी और बेहद साहसी होते हैं। इनमें हमेशा प्रतियोगिता की भावना होती है। इस स्वभाव वाले लोग अपनी सोच से एक कदम आगे चलते हैं।

धीमी गति से चलना

जो लोग धीमी गति से चलते हैं या पैरों को घसीटकर चलते हैं, वो सहमे हुए और दुखी स्वभाव के होते हैं। ये लोग तनावग्रस्त होते हैं।

फर्स्ट इंप्रेशन...

सभी चाहते हैं कि किसी से पहली बार मिलने पर ऐसी छाप छोड़े कि उसके मन-मस्तिष्क में उम्र भर के लिए अच्छी राय बन जाए, लेकिन ज्यादातर लोगों को यह तकनीक ही नहीं आती कि पहली ही मुलाकात में कैसे किसी को हमेशा के लिए अपना प्रशंसक बनाया जा सकता है। तो आइए जानते हैं कैसे जमाएं फर्स्ट इंप्रेशन।

स्टाइल सुधारें

पहली मुलाकात में ध्यान रखें कि सामने वाले पर आपकी बातचीत का क्या प्रभाव पड़ रहा है। इसे भांपकर अपनी शैली सुधारें। अपना ध्यान उस व्यक्ति पर केंद्रित करें, आंखों से आंखें मिलाकर बात करें। चाहे सामने कोई उच्च पदस्थ व्यक्ति हो, नर्वस होकर, इधर-उधर देखते हुए बातचीत न करें। यदि आपको लगता है कि सामने वाला बोर कर रहा है तो भी पहली बार उसकी बात ध्यान से सुनें।

हाथ मिलाने का सलीका

किसी से भी हाथ मिलाते समय ध्यान रखें कि हाथ को न तो ढीला छोड़कर मिलाया जाए और न बिल्कुल सख्त तरीके से। हाथ मिलाते समय आपके चेहरे पर खुशी और अपनापन झलके। किसी स्त्री से हाथ मिलाते समय आपके व्यवहार में शालीनता नहीं होगी तो मुश्किल में भी पड़ सकते हैं।

आत्मविश्वास जरूरी

कई बार लोग अपने सामने किसी उच्च व्यक्तित्व वाले व्यक्ति को देख कर हड़बड़ा जाते हैं और ऐसी हरकतें कर बैठते हैं कि सामने वाले पर इसका बुरा असर पड़ता है। अगर आपकी पहली मुलाकात किसी लड़की से हो रही है तो अपने फेशियल एक्सप्रेशंस को संयत रखें। ऐसी लड़की बेशक आपकी भावी मंगेतर या रिश्तेदार हो, लेकिन अपने व्यवहार को संयत रखें, हावी होने की कोशिश न करें।

खूबसूरती का प्रदर्शन

कुछ लोग खूबसूरती का अनावश्यक प्रदर्शन करती हैं। सभी लोग सौंदर्य पर रीझने वाले नहीं होते। भले ही यह बातचीत शादी तय करने के लिए हो रही हो, याद रखें कि आपका चेहरा आपके व्यक्तित्व का सिर्फ एक हिस्सा है, वह तभी किसी को आकर्षित करता है, जबकि आपकी भाषा, बातचीत का अंदाज और भाव-भंगिमा शालीनतापूर्ण हो। हर किसी में अलग-अलग गुण होते है, उन्हे सराहे। मधुर वाणी जहां दिलों पर राज करा सकती है, वहीं कर्कश बातें चोट पहुंचाती है। इसलिए अपने व्यवहार में विनम्रता रखें। यही एक बात है जो याद रह जाती है।

सहज रहें

किसी के साथ पहली मुलाकात में सामने वाले को यह महसूस हो कि उससे मिलने पर आपको खुशी हुई। शादी-विवाह तय करते समय भी ध्यान रखें कि आपकी नापसंदगी दूसरे पर एकदम से जाहिर न हो। कई बार तो ऐसा भी होता है कि पहली मुलाकात में कोई पसंद नहीं आता, बाद में वही जीवनसाथी, बॉस या अन्य किसी रिश्ते के तहत हमारे सामने आ जाता है। पहली मुलाकात में अपना समूचा ज्ञान या दर्शन भी सामने वाले के सामने प्रस्तुत न कर दें। सहज रहे, भले ही सामने वाले की बातों से आप सहमत न हों, लेकिन इसे पहली ही बार में न जाहिर करे।

ऐसे बनाएं आकर्षक बॉडी....

एक जमाना था जब आदमी दो पैक ऐब्स बनाकर ही मोहल्ले में शान से चला करता था, लेकिन आज के जमाने में दो पैक ऐब्स नहीं बल्कि सिक्स पैक ऐब्स चलते हैं। फिल्मों और टीवी से लेकर गली के जिम तक हर कोई सिक्स पैक ऐब्स बनाने की होड़ में लगा हुआ है। यदि आपको भी सिक्स पैक बनाने की चाहत है तो हम आपको बता दें कि इसको बनाना इतना आसान नहीं है लेकिन अगर आप कुछ बातों पर ध्यान दें तो सिक्स पैक ऐब्स बना सकते हैं। सिक्स पैक ऐब्स बनाने के लिए आपको अपने वर्कआउट के साथ साथ अपनी डायट पर भी खास ध्यान देना होगा। इसमें सब से पहला कार्य होता हैं अपने भोजन पर नियंत्रण रखना। यदि आप दिन में दो या तीन बार भरपेट खाना खाते हैं तो आपको तीन के बजाय पांच से छह बार खाना होगा। मतलब आप कम-कम मात्रा में 2-3 बार के बजाय 6 बार खाना खाएंगे। इसका कारण यह है कि एक ही बार भरपेट खाने से पेट की मांसपेशियों पर बहुत अधिक बल पड़ता है जिससे मोटापा बढ़ जाता है और शरीर बेडौल हो जाता है। आपको प्रोटीन युक्त खाद्य पदार्थों का सेवन करना होगा। इससे शरीर में ताकत आएगी और मांसपेशियां मजबूत होंगी। पने आहार में काबोहाइड्रेट्स की मात्रा कम और फाइबर की मात्रा अधिक लें। शुगर युक्त चीजें, अधिक कैलोरी वाले फूड और एल्कोहल का सेवन करने से बचें। मक्खन, चीज जैसी चीजों का सेवन न ही करें तो बेहतर होगा। आपको साथ ही ऑयली फूड से दूर रहें। आप कम मात्रा में पीनट बटर का सेवन भी कर सकते हैं। अंत में पानी पीने की मात्रा का भी ध्यान रखे। पानी दिन में कम से कम 8 गिलास या इससे अधिक पीएं।

चेस्ट के लिए

चेस्ट को शेप देने के लिए फ्लैट डंबल प्रेस सबसे बेहतर एक्सरसाइज है। यह फ्लैट बेंच से इसलिए बेहतर है क्योंकि उसमें आपके हाथ एक सीमा से नीचे नहीं आते। बेंच करते वक्त रॉड जैसे ही आपकी चेस्ट से टच होती है आप उसे ऊपर की ओर धकेल देते हैं। वहीं डंबल प्रेस के मामले में आपकी चेस्ट पर कुछ आने जैसी बात ही नहीं होती। जितना आप डंबल को नीचे ले जाएंगे उतना प्रेशर आपकी चेस्ट पर बनेगा।

पावर के लिए

ओवरऑल मसल बिल्डिंग और पावर के लिए बॉडी बिल्डरों की सबसे पसंदीदा एक्सरसाइज है स्क्वेट। जो लोग इसे नहीं करते उन्हें लगता है कि यह सिर्फ पैरों की कसरत है पर जो लोग करते हैं वो जानते हैं कि ये कसरत मर्द बनाती है। यह एक्सरसाइज ग्रोथ हार्मोन को जबरदस्त तरीके से एक्टिवेट करती है। एक हैवी सेट लगा कर देखें, दिमाग की बत्ती जल जाएगी। एक और सबूत चाहिए तो हैवी स्क्वेट लगाने के बाद ब्रेंच प्रेस लगाएं आप नॉर्मल से ज्यादा वेट लगा पाएंगे।

बाइसेप्स के लिए

कसरतों की लंबी लिस्ट है और आप उन्हें आजमाते भी होंगे, पर बारबेल कर्ल से बेहतर कुछ नहीं। जैसे स्क्वेट पैरों की एक मुकम्मल कसरत है वैसे ही बारबेल कर्ल बाइसेप्स की मुकम्मल एक्सरसाइज है। एक बात और आप अगर शुरुआती दौर में नहीं हैं तो बड़ी रॉड से कर्ल करें।

ट्राइसेप्स

आपके आर्म में 30 फीसदी हिस्सेदारी बाइसेप्स और 70 फीसदी ट्राइसेप्स की होती है। अगर आपको बड़े आर्म्स चाहिए तो बाइसेप्स की बजाय ट्राइसेप्स पर ज्यादा ध्यान दें। आपके ट्राइसेप्स के भी तीन हिस्से होते हैं और बेंच डिप्स ऐसी एक्सरसाइज है तो तीनों हिस्सों पर काम करती है। इसे आप बॉडी वेट के साथ और एक्सट्रा वेट के साथ भी कर सकते हैं।

बाइसिकल क्रंच

सिक्स पैक की ओर बढ़ रहे हैं तो इस एक्सरसाइज को अपने शेड्यूल में जरूर शामिल करें। बाकी की क्रंचेस आमतौर पर एब्स के किसी एक हिस्से पर काम करती हैं पर ये एक साथ सिक्स पैक पर काम करती है। यहां ये बताना हम जरूरी समझते हैं कि ये सबसे ज्यादा फायदेमंद उस शख्स के लिए जिसका पेट फ्लैट और जो सिक्स पैक बनाने के लिए कसरत कर रहा हो।

बच्चों को सुलाने के आसान तरीके

आमतौर पर बच्चों को जब नींद नहीं आती है तो वो चिड़चिड़े हो जाते हैं। फिर उन्हें किसी भी तरह बहलाने फुसलाने की कोशिशें बेकार साबित होती हैं। उस समय उन्हें जरूरत होती हैं प्यारी सी लोरी के साथ शांत माहौल और मां के गोद की। लोरी सुनाकर बच्चों को सुलाने का चलन बरसों से चला आ रहा है। आज भी मां अपने बच्चों को लोरी सुनाकर ही सुलाती हैं। धीरे-धीरे और मीठे स्वर में गाई गई लोरी का बच्चे के दिमाग पर काफी असर होता है इसको सुनते-सुनते वे धीरे-धीरे मीठी नींद की ओर बढ़ने लगते हैं।

लोरी ही जरूरी नहीं: लोरी बच्चे को सुलाने का सबसे प्यारा तरीका समझा जाता है। लेकिन सिर्फ लोरी ही जरूरी नहीं है इसके साथ बच्चे के शरीर पर हल्की-हल्की थपकी और गोद में उसे धीरे-धीरे झुलाना भी काफी मददगार साबित होते हैं। और यह प्रक्रिया आपको तब तक करनी चाहिए जब तक बच्चा गहरी नींद में ना सो जाए।

लोरी सुनते ही क्यों सो जाते हैं बच्चे: लोरी की मीठी आवाज से बच्चे का ध्यान आस-पास की आवाजों से हटने लगता है। बच्चों को लगातार गोद में झुलाते रहने से उसकी नजर किसी भी चीज पर नहीं टिक पाती। और थोड़ी ही देर में उसकी आखों में नींद आने लगती है। और वह धीरे-धीरे अपनी आंखों को बंद करने लगता है।

स्तनपान करते हुए: आमतौर पर देखा जाता है कि बच्चें मां की गोद में स्तनपान करते हुए भी सो जाते हैं। ऐसे में उनके सिर पर धीरे-धीरे हाथ से सहलाएं जिससे उनकी आंखों में नींद आने लगे। और जब वह पूरी नींद में सो जाए तो उसे धीरे से बिस्तर पर लेटा दें।

गोद में लेकर झुलाएं: बच्चो को जब नींद आती है तो वो आपकी गोद में झुलना चाहते हैं। ऐसे में बच्चे को अपनी गोद में लेकर दाएं से बाएं झुलाएं। धीरे-धीरे उसकी आंखे भारी होने लगती है और वह थकवाट के कारण अपनी आंखे बंद करने पर मजबूर हो जाता है। ध्यान रहे कि ज्यादा से जोर से झुलाने पर बच्चा डर भी सकता है।

प्रैम या स्ट्रॉलर में: कई बार देखा जाता है कि बच्चा प्रैम या स्ट्रॉलर में बैठकर आगे-पीछे हिलाते हुए सोना चाहता है। यह प्रक्रिया बार-बार करने पर बच्चा धीरे-धीरे नींद की आगोश में चला जाता है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**